■ वर्ष-24 ■ अंक-41
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ शनिवार ■ 12 सितंबर 2026

भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने पहुंचे दिल्ली

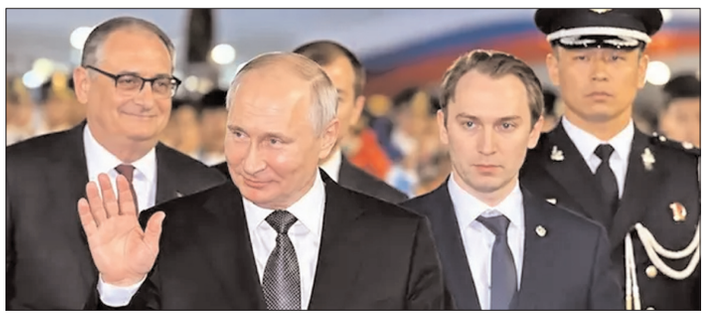

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां अपने चरम पर हैं। जिसमें शामिल होने रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस बार का यह महासम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा मार्गों में बाधाएं जैसी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। अहम बात यह है कि इस विस्तारित समूह के नेता वैश्विक शासन, बहुपक्षवाद, व्यापार, निवेश, तकनीक, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और महत्वपूर्ण सप्लाई चेन जैसे अहम मुद्दों पर मंथन करेंगे। बता दें कि शिखर सम्मेलन की शुरुआत दोपहर 2.35 बजे ब्रिक्स सदस्य देशों की बंद कमरे की बैठक से होगी, जिसका विषय समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। इसके बाद, शाम 4.25 बजे सभी नेता भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। शाम 5.5 बजे आधिकारिक फैमिली फोटो और संयुक्त रूप से पेड़ लगाने का कार्यक्रम होगा। दिन के अंत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी मेहमान नेताओं के सम्मान में शाम 7.30 बजे एक भव्य रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। बात अब दूसरे दिन की करें तो, सुबह 9.55 बजे से ब्रिक्स सदस्य देशों, पार्टनर देशों और आमंत्रित मेहमानों का आना शुरू होगा। सुबह 10.35 बजे आधिकारिक समूह फोटो होगी, जिसके बाद 10.50 बजे मुख्य खुला सत्र शुरू होगा।

इस सत्र का शीर्षक लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता समावेशी वैश्विक विकास के लिए भविष्य को आकार देना रखा गया है। इसके अलावा अंत में नई दिल्ली घोषणापत्र के साथ इस सम्मेलन का समापन होगा।

व्यवस्था संभालने 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात

इस महासम्मेलन में शामिल होने के लिए वैश्विक नेताओं का भारत आगमन शुरू हो चुका है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही भारत पहुंच चुके हैं। शेष देशों के शासनाध्यक्षों का आगमन भी जारी है। दुनिया भर के दिग्गज नेताओं के आने से दिल्ली को सुरक्षा के एक बहु-स्तरीय घेरे में बदल दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए लगभग 15000 दिल्ली पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां तैनात की गई हैं। चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कूटनीतिक एन्क्लेव और उन होटलों के आसपास सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गई है जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे। खास बात यह है कि चीन, रूस और ईरान के लिए अलग-अलग होटल तय किए गए हैं, और इन देशों की अपनी सुरक्षा टीमें भी राष्ट्रपतियों के पहुंचने से पहले ही दिल्ली आ चुकी हैं। हालांकि गौर करने वाली बात यह है कि सुरक्षा का दायरा सिर्फ वेन्यू तक सीमित नहीं है। नागर विमानन महानिदेशालय ने सात उत्तरी राज्यों में उड़ानों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इसके अलावा, शुक्रवार से 52 घंटों के लिए दिल्ली के 300 किलोमीटर के दायरे में हल्के विमानों, ड्रोन और इसी तरह के अन्य हवाई वाहनों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। इतना ही नहीं सम्मेलन के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के संचालन (कैंसिलेशन, रूट डायवर्जन और रीशेड्यूलिंग) में भी फेरबदल किया गया है। इस महासम्मेलन को कवर करने के लिए दुनिया भर से 1200 से 1300 पत्रकार दिल्ली पहुंच रहे हैं, और भारत मंडपम इस दो दिवसीय कूटनीतिक आयोजन का केंद्र बना हुआ है।

सड़क हादसे में 3 बच्चों सहित आठ लोगों की हुई मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शाम करीब 7 बजे सीताखंडी घाट के पास हुआ। टाटा मैजिक वैन नांदेड से भोकर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

दो दिवसीय यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मंगल आरंभ 25 सितंबर से

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में इसी महीने 25 सितंबर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का मंगल आरंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के नागरिकों को सुगम, सरल, सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है और इस लक्ष्य की पूर्ति में हम 25 सितम्बर से नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का रोड़ नेटवर्क है। यहां 15 हजार से अधिक बसें चलाने का स्कोप है। हमारे नागरिकों के अलावा प्रदेश में हर साल करोड़ों की संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रृद्धालुओं द्वारा भी आवागमन के लिए बस का उपयोग किया जाता है। यह हमारे लिए चुनौती के साथ ही एक बड़ा अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी बस आपरेटर्स, बस निर्माता कंपनियों, इंडस्ट्री पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स से अपील करते हुए कहा कि बदलते समय में मप्र में बढ़ते अवसरों को पहचाने और प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए सरकार के साथ जुड़ें। प्रदेश में यात्रियों के हित में एक ऐसा फाईनेस्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट माडल तैयार करें, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। मुख्यमंत्री डॉ यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत %यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 स्मारिका और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पुस्तिका का विमोचन किया। सासाराम (बिहार) के श्री सुधाकर कुमार को 5 लाख रुपये राशि के प्रथम पुरस्कार, दिल्ली के श्री चयन वोहरा को 2 लाख रुपये के द्वितीय सांत्वना पुरस्कार और भोपाल की सुश्री गौरांगी शर्मा को 1 लाख रुपये राशि के तृतीय सांत्वना पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रदेश में स्मार्ट, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण में प्रदेश के नागरिकों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज 2026 का शुभारंभ किया।

विशेष प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पूर्व सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में नवाचारों और आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ और अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इंदौर के जनप्रतिनिधियों और बस ट्रांसपोर्ट संचालकों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में 14 सितंबर को विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी का आगमन होने जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने गणेश स्थापना के माध्यम से देशवासियों को एकजुट किया था। इसी माह 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। उनके नेतृत्व में पहले गुजरात और अब भारत ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच से पूरा भारत गौरवान्वित है। श्री मोदी सर्वाधिक समय तक शासन करने वाले देश के इकलौते नेता हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देशभर से नक्सलवाद की समस्या खत्म हुई है। मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश का पहला राज्य है।

वेल्लोर में चर्च की छत गिरी, 3 की मौत, 11 मजदूर हुए घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा कटपाडी के पास मंडी कृष्णापुरम में हुआ। मजदूर चर्च की छत के लिए कंक्रीट डाल रहे थे, तभी स्लैब गिर गया। हादसे में 11 मजदूर घायल हुए हैं। जिन्हें वेल्लोर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और पड़ोसी आंध्र प्रदेश के चित्तूर के एक अस्पताल में भेजा गया। पुलिस ने बताया कि यह इमारत चर्च ऑफ साउथ इंडिया के लिए बनाई जा रही थी।

तभी 20 फुट ऊंचा स्टील मचान और सपोर्ट फ्रेमवर्क अचानक ढह गया। इससे मजदूर भारी कंक्रीट और मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद अरक्कोनम से नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीम भी मौके पर पहुंची, और जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग के साथ मिलकर मलबे में फंसे मजदूरों को बाहर निकाला। वेल्लोर की जिला कलेक्टर के मुताबिक घायलों में से 8 मजदूरों की हालत स्थिर है। हादसा क्यों हुआ, इसकी वजह पता लगाने के लिए जांच समिति बनाई जाएगी।

चोंगथम विक्रम सिंह की हत्या मामले में 8 आरोपी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी मौत बहुत ज्यादा खून बहने से हुई थी। एम्स दिल्ली की ऑटोप्सी रिपोर्ट में इसकी वजह सीने और पेट पर गंभीर चोट बताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंह के सीने और पेट की करीब 15 पसलियां टूट गई थीं। उनके शरीर पर सिर, चेहरे, हाथ, छाती, पेट, पीठ और पैरों पर भी चोटें मिलीं। 54 साल के विक्रम सिंह की नई दिल्ली में हमले के बाद इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस ने मामले में नाबालिग समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, 7 सितंबर को सिंह ने दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में घर के बाहर शोर कर रहे लोगों को रोकने गए थे, इसके बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। एफआईआर के मुताबिक, 7 सितंबर को आरोपी इमारत में घुसे। उन्होंने सिंह का तीन मंजिल तक पीछा किया और लात-घूंसों से हमला किया। सिंह की पत्नी ने बाद में आरोपियों की पहचान उन लोगों के रूप में की, जिन्होंने पहले भी उनके पति को धमकी दी थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी हासिल की है। इसमें आरोपियों को इमारत से बाहर जाते हुए दिखाया गया है। हमले के बाद सिंह को होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पसलियां टूटने से मौत हो सकती है, लेकिन आमतौर पर मौत सिर्फ पसली टूटने से नहीं होती। खतरा तब होता है जब टूटी हुई पसलियां फेफड़े, हृदय या अंदर के किसी अंग को नुकसान पहुंचाएं या बहुत ज्यादा अंदरूनी रक्तस्राव हो। विक्रम सिंह की पोस्टमार्टम में जो बात सामने आई है, उसमें यही सबसे बड़ा फर्क है। यानी, उनकी कई पसलियां टूटी थीं। टूटने के आसपास खून जमा होने के निशान मिले। छाती और पेट पर गंभीर चोटें थीं। इन चोटों के कारण बहुत ज्यादा अंदरूनी रक्तस्राव हुआ। यही भारी रक्तस्राव उनकी मौत का कारण बना। इसे ऐसे समझिए, पसली को आप शरीर की सुरक्षा करने वाली हड्डी है। यह फेफड़े और दूसरे अंगों को बचाती है। अगर जोरदार चोट से कई पसलियां टूट जाएं, तो उनके टूटे हुए हिस्से अंदर के अंगों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मंत्री खुशवंत के भाई कांग्रेस में हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति से बड़ी खबर सामने आई है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र एवं मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। पूर्व सीएम के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में भूपेश बघेल ने कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी का गमछा पहनाकर ढाल दास का स्वागत किया। उनके कांग्रेस प्रवेश से प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उनके परिवार की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए कांग्रेस में उनका प्रवेश पार्टी के लिए भी अहम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि गुरु बालदास का सतनामी समाज में प्रभाव माना जाता है, जबकि उनके पुत्र खुशवंत साहब वर्तमान भाजपा सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में परिवार के वरिष्ठ सदस्य ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने से प्रदेश की राजनीति में इसके संभावित असर को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है।

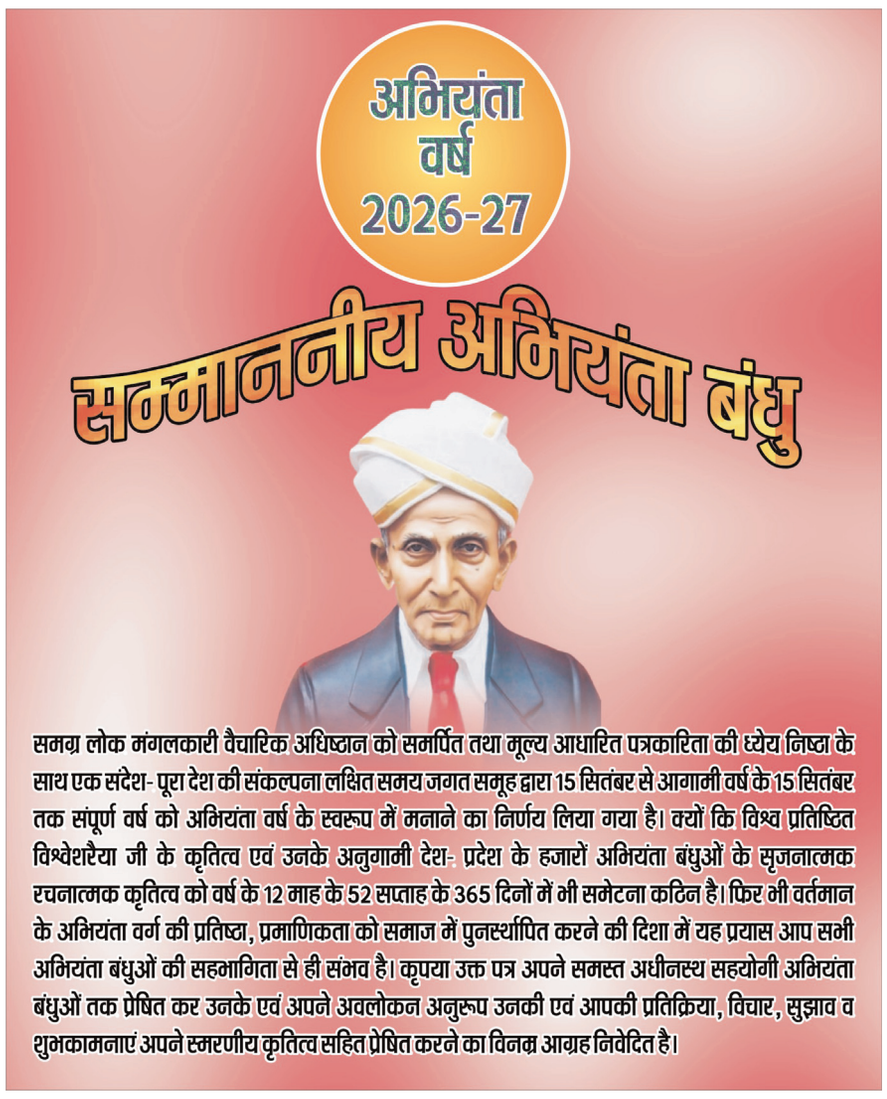

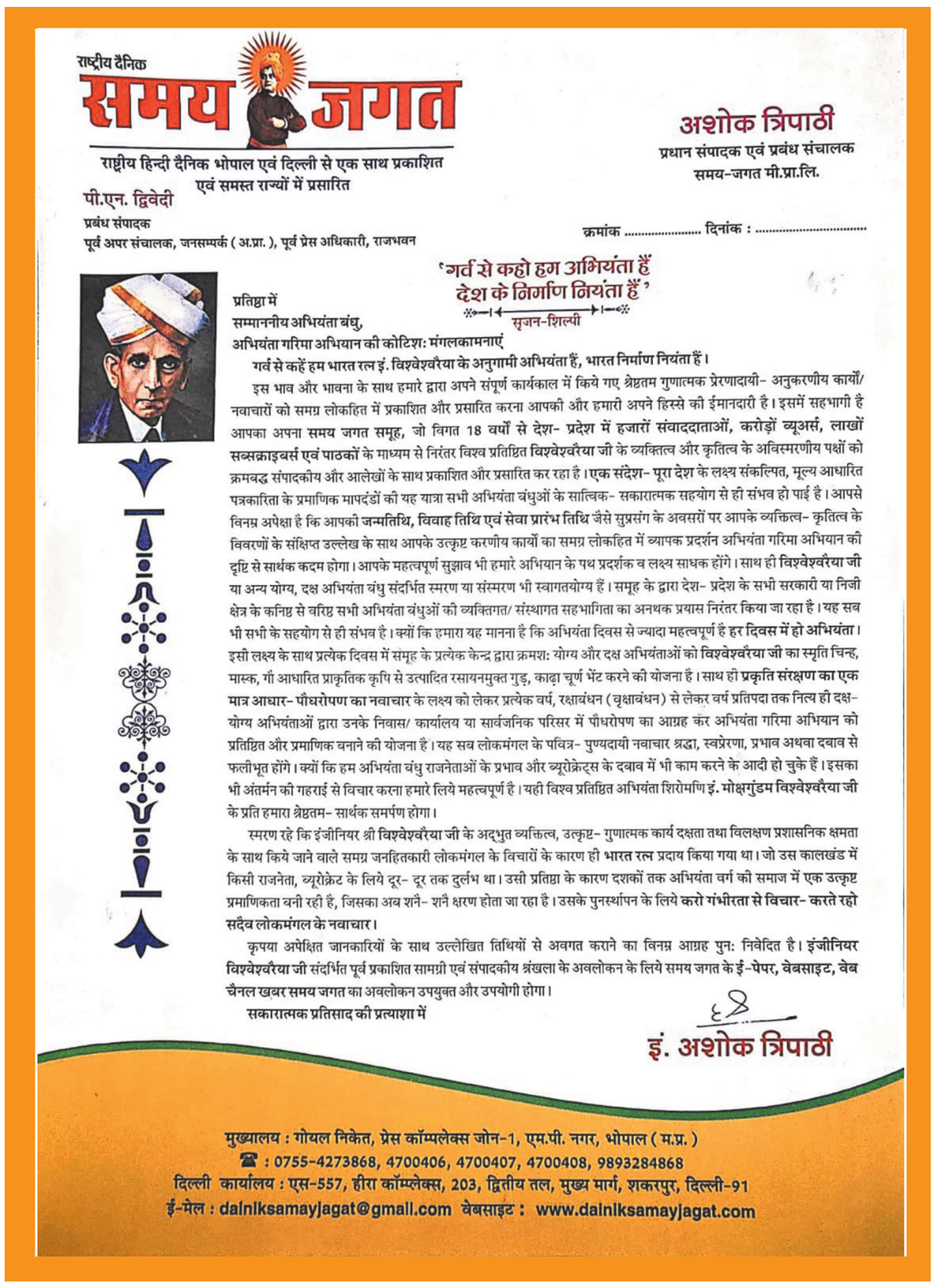

50.50 लाख के विकास कार्यों का बकानी में लोकार्पण

पंचायत भवन और कालाजी महाराज वाली पुलिया का विधायक मोहन शर्मा ने किया लोकार्पण

ओमप्रकाश राठौर- समय जगत, बोड़ा। ग्राम पंचायत बकानी में ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण विधायक मोहन शर्मा द्वारा विधिवत किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित पंचायत भवन एवं कालाजी महाराज वाली पुलिया को ग्रामीणों को समर्पित किया गया। वहीं ग्राम उमरी में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया। एक ही कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। ग्राम पंचायत बकानी में 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है। पंचायत भवन की निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत बकानी रही है। नए भवन के

निर्माण से ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी सहूलियत होगी। ग्रामीणों को अब पंचायत स्तर की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में ग्राम पंचायत क्षेत्र में कालाजी महाराज वाली पुलिया का निर्माण 13 लाख रुपए की लागत से पूर्ण कराया गया है। इसका निर्माण भी ग्राम पंचायत बकानी को निर्माण एजेंसी बनाकर कराया गया। पुलिया निर्माण से ग्रामीणों के आवागमन में सुविधा होगी। बारिश के दौरान रास्ते में पानी भरने और आवागमन बाधित होने की समस्या से भी ग्रामीणों को राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों के लिए यह पुलिया लंबे समय से आवश्यक विकास कार्यों में शामिल थी। पंचायत भवन और कालाजी महाराज वाली पुलिया की कुल निर्माण लागत 50 लाख 50 हजार रुपए है। दोनों विकास कार्य पूर्ण होने के बाद विधायक मोहन शर्मा ने इनका लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत का आभार व्यक्त किया। उमरी में 1.39 करोड़ की लागत से बने हाईस्कूल भवन का भी लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्राम उमरी में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया। नवीन भवन मिलने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होने की उम्मीद है।

अवैध शराब के खिलाफ बोड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

समय जगत, बोड़ा। जिले में जुआ, मादक पदार्थ स्मैक एवं गांजा तथा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बोडा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 216 लीटर अवैध देशी मदिरा शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में जिलेभर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के निर्देशन एवं एसडीओपी नरसिंहगढ़ प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोडा उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 9 सितंबर को थाना क्षेत्र के ग्राम कड़िया एवं ग्राम गुलखेड़ी में अवैध शराब के ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई

के दौरान पुलिस ने विक्रम पिता नाथूलाल सासी, नरोत्तम पिता मोड़ सिंह तथा वीरू पिता लाखन सासी निवासी गुलखेड़ी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से कुल 216 लीटर देशी मदिरा शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,20,000 है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहीं मामले में फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देवेन्द्र सिंह राजपूत, उप निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद मिश्रा, उप निरीक्षक हुकुम सिंह, सउनि समीर खान, सउनि मधुसूदन शर्मा सहित पुलिस टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

महिला एवं बाल विकास आयुक्त श्री संदीप ने इंदौर में बाल संस्थाओं का किया निरीक्षण

समय जगत, भोपाल। आयुक्त महिला एवं बाल विकास संदीप जी.आर. ने पदभार संभालते ही विभागीय योजनाओं और संस्थाओं की जमीनी स्थिति की पड़ताल शुरू कर दी है। शुक्रवार को उन्होंने इंदौर पहुंचकर छावनी स्थित राजकीय बाल आश्रम, ऑब्जर्वेशन होम (संप्रेक्षण गृह), स्पेशल होम और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को जाना तथा संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। राजकीय बाल आश्रम के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय बातचीत की और उनका कुशलक्षेम जाना।

रतलाम में निवेश की संभावनाओं को लेकर मयूरी चोरडिया ने मंत्री चेतन्य काश्यप से की चर्चा

रतलाम, समय जगत। लंदन में 15 वर्षों से चार्टर्ड अकाउंटेंट, एडवाइजर एवं कंसल्टेंट के रूप में कार्यरत सनराइज फाइनेंस, लंदन की एमडी मयूरी चोरडिया ने रतलाम प्रवास के दौरान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप से मुलाकात की। उन्होंने रतलाम में विकसित किए जा रहे निवेश क्षेत्र में संभावित निवेश एवं औद्योगिक अवसरों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। रतलाम से जुड़ी मयूरी चोरडिया ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा निवेशकों एवं उद्योगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, विभिन्न योजनाओं, प्रोत्साहनों तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मंत्री श्री काश्यप से प्राप्त की। अंतर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ मयूरी चोरडिया लंबे समय से वित्तीय परामर्श एवं कंसल्टेंसी के क्षेत्र में कार्यरत है। उन्होंने राजस्थान में निवेश किया है तथा मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर रुचि व्यक्त की है। मंत्री श्री काश्यप ने मध्यप्रदेश में उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और नए निवेश के माध्यम से रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उनसे मयूरी चोरडिया की मुलाकात रतलाम में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के निवेशकों की रुचि बढ़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव और निवेश संबंधी रुचि से रतलाम में भविष्य में नए औद्योगिक एवं व्यावसायिक अवसरों की संभावनाओं को बल मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले सांसद- विधायक

नर्मदापुरम-पिपरिया मार्ग के चौड़ीकरण सहित विविध सड़क, सिंचाई और कृषि परियोजनाओं पर हुई चर्चा

समय जगत, इटारसी। मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आत्मीय भेंट कर लोकसभा क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री के समक्ष नर्मदापुरम से पिपरिया मार्ग के चौड़ीकरण, नानपा-कुलड़ा मार्ग, बनखेड़ी-झिरपा सहित क्षेत्र के आवश्यक मार्गों के निर्माण का विषय प्रमुखता से रखा। उन्होंने इन मार्गों के निर्माण एवं चौड़ीकरण से क्षेत्र के नागरिकों को मिलने वाली बेहतर आवागमन सुविधा और विकास की संभावनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बैठक के दौरान सांसद ने सोहागपुर नहर एवं देवरी उद्वहन सिंचाई परियोजना को गति देने तथा किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में भी चर्चा की। साथ ही

बोहानी में कृषि आधारित प्रकल्प स्थापित करने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्र में कृषि, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने करेली में स्वीकृत शासकीय आईटीआई का संचालन शीघ्र प्रारंभ किए जाने का आग्रह भी मुख्यमंत्री से किया, ताकि क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण का लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त सांसद ने धान का समर्थन मूल्य पर उपार्जन सुनिश्चित करने के संबंध में भी मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों की अपेक्षाएं रखीं। उन्होंने विधायक विजय पाल सिंह के साथ मोहासा-बाबई औद्योगिक क्षेत्र में निवेश एवं औद्योगिक गतिविधियों की संभावनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए क्षेत्र के औद्योगिक विकास कार्यों के भूमि पूजन के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के विकास, किसानों की सुविधा, युवाओं के रोजगार और बेहतर आधारभूत संरचना के लिए राज्य सरकार के साथ निरंतर समन्वय करते हुए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता

फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी के साथ लूट करने वाले आरोपी हुए गिरफ्तार, पुलिस द्वारा की गई तत्परतापूर्वक कार्यवाही

समय जगत, अमझेरा। फाइनेंस कर्मचारी के साथ हुए लुट का अमझेरा पुलिस ने पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 3 जून को नाबफिंस लिमिटेड कंपनी मे काम करने वाले अमर दास पिता रतनदास बैरागी कंपनी के कलेक्शन का पैसा लेकर आ रहे थे तभी उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। कर्मचारी ने अमझेरा थाने पर प्रकरण दर्ज करवाते हुए बताया कि वह कंपनी का पैसा कलेक्शन कर 3 जून की शाम करीब 5.30 बजे मैं जैसे ही मांगोद -मनावर रोड आमला फाटा ग्राम आमला पहुंचा तभी अचानक दो अज्ञात बदमाश पीछे से मोटर सायकल से आए उन्होंने मेरी मोटर सायकल के आगे अपनी मोटर सायकल लगाकर मुझे चाकू दिखाकर डराकर मेरे पास पीछे पीठ पर टंगा नीले रंग का बैग जिसमें मेरे कलेक्शन के करीब एक लाख तैंतीस हजार एक सौ रुपये व दो मोबाइल फोन जिसमें लूटकर केशवी तरफ भाग गये । फरियादी कि रिपोर्ट पर थाना अमझेरा पर अपराध दर्ज किया गया जाकर विवेचना मे लिया जाकर प्रकरण कि गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक के आदेश से एक टीम गठित कि गई थी गोपनीय सूचना तंत्र सक्रिय करते हुये मुखबीर की सूचना पर राजेश पिता ओंकार बामनिया जाति भील उम्र 20 साल निवासी ग्राम हाथिपावा थाना अमझेरा और विक्रम उर्फ अकरम पिता मंगु सिंगार जाति भील उम्र 24 साल निवासी ग्राम बावडीखोदरा को थाना लाकर सख्ती से पूछताछ करने पर जिन्होने जुर्म करना स्वीकार किया । पुछताछ करते उक्त आरोपी ने घटना दिनांक को आमला फाटा पर फाइनेंस कर्मचारी के साथ 1 लाख 33 हजार 100 रूपये लुटना बताया व दोनो के व्दारा रूपये में आपस में बांटना बताया व अपने एक अन्य साथी राजेश पिता छगन सिंगार जाति भील निवासी बावड़ी खोदरा के साथ मिलकर दिनांक 16.07.2026 को राजाराम पिता तौलिया चैहान जाति पटेलिया उम्र 45 साल निवासी ग्राम बडलीपुरा कला, थाना अमझेरा, के घर से दो बकरी और दो बकरी के बच्चे व झोपडी में रखी प्लास्टिक की कोठी में से 20,000 रूपये लूटना बताया गया ।

17 सितंबर से नर्मदा पथ पर आएगा पूरा समाज ग्राम म्हारा गांव से प्रारंभ होगा सेवा का अभियान

नर्मदापुरम, समय जगत। इस जिले नर्मदापुरम में मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले धार्मिक जनों के लिए इस जिले में अब नर्मदा सेवा पथ अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इस माह की 17 सितंबर से ग्राम महारगांव से शुरुआत होगी । इस अभियान में जन भागीदारी पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है सबसे बड़ी भारी बात आम जन को भी इसमें जोड़ा जाएगा अभियान की रूपरेखा तैयार करने के दौरान राज्यसभा सांसद माया नारोलिया दादा गुरु महाराज नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव पूर्व विधायक एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य भारतीय जनता पार्टी सविता दीवान शर्मा पूर्व संभागीय मैनेजर जीएस डांगी कलेक्टर सोमेश मिश्रा के साथ इस जिले की जन अभियान परिषद के कोस्लेश तिवारी कोकिला चतुर्वेदी विभिन्न

समितियां मैदान में उतरेंगे। धार्मिक जनों के लिए सरल मार्ग स्वच्छता वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण आश्रय और स्वास्थ्य सुविधाओं को एक साथ जोड़कर पूरे परिक्रमा पद को सेवा भाव के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इस अभियान के अंतर्गत पौधारोपण पर विशेष जोर दिया गया है। परिक्रमा के आसपास पहले साल 51 000 विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे और इनके संरक्षण और निगरानी के लिए देखभाल की जिम्मेदारी स्थानीय समितियों को दी जाएगी। पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की कार्य समिति सदस्य श्रीमती सविता दीवान शर्मा ने बताया कि स्थानीय जन अभियान परिषद समिति और विभिन्न समितियां गांव में लोगों से संपर्क करेंगे स्थानीय टास्क फोर्स की स्थिति सफाई वृक्षों की देखभाल और धार्मिक जनों की जरूरत की जानकारी जताकर प्रशासन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न नर्मदा परिक्रमा पद की लंबाई करीब 223 किलोमीटर है यह मार्ग 68 गांव से होकर गुजरता है। मार्ग में 6 प्रमुख संगम स्थल मां नर्मदा में मिलने वाली 23 सहायक नदियां और 13 स्वास्थ्य केंद्र भी चिन्हित किए गए हैं। इन सभी स्थानों को अभियान से जोड़कर धार्मिक चुनाव को बेहतर मार्गदर्शन और जरूरत के समय सहायता प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण का दिया प्रशिक्षण

विद्यार्थियों ने सीखी पर्यावरण हितैषी गणेश प्रतिमा बनाने की कला

समय जगत, खंडवा। नगर पालिक निगम खंडवा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 27 स्थित भवानी माता वार्ड के ठक्कर बाबा स्कूल तथा वार्ड क्रमांक 03 स्थित सूरज कुंड वार्ड के गायत्री विद्यापीठ स्कूल में नगर निगम की IEC टीम द्वारा विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा तैयार करने की विधि समझाई गई तथा पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा के महत्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में सहभागिता करते हुए स्वयं मिट्टी से गणेश प्रतिमा

बनाने की प्रक्रिया सीखी। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं को प्राथमिकता दें तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं हानिकारक रसायनों से निर्मित प्रतिमाओं के उपयोग से बचें। इससे धार्मिक आस्था के साथ-साथ जलस्रोतों एवं पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। नगर निगम की IEC टीम द्वारा स्कूलों एवं विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

सुविधा विहीन श्मशान घाट से अंतिम संस्कार में हो रही है दिक्कतें

समय जगत, गंजबासौदा। आजादी के कई साल बाद भी ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी हुई है। कुछ इसी तरह की कहानी ग्राम पंचायत रबरयाई के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिरावदा की बनी हुई है। बरसात में यहां के सुविधा विहीन श्मशान घाट में एक आदिवासी महिला का अंतिम संस्कार करना ग्रामीण और उनके परिजनों को भारी पड़ गया। ग्राम सिरावदा के ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात के दिनों में अगर किसी ग्रामीण की मृत्यु हो जाती है तो उनके परिजनों को उनके अंतिम संस्कार करने में काफी सुविधा झेलनी पड़ती है। शुक्रवार के दिन ग्राम की मुल्ले बाई आदिवासी का निधन हो गया था। इसके बाद उनके परिजनों को उनके अंतिम संस्कार करने में काफी सुविधा हुई क्योंकि ना तो श्मशान घाट तक जाने के लिए पक्की सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था और ना ही उसके एक हिस्से में टीनसेट था। शुक्रवार के दिन जोरदार बारिश भी हुई, जिस कारण अंतिम संस्कार में काफी दिक्कत झेलनी पड़ी। यह ग्राम जनपद पंचायत गंजबासौदा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रबारी से संबंध सिरावदा है। इसकी जनसंख्या लगभग 870 है। यहां तो कई कमियां है और खास बात यह है कि इसी से संबंध दो गांव और आते हैं और उनमें भी शमशान घाट की स्थिति कुछ इसी तरह बनी हुई है।

कार्यकर्ता सहायिका का तीन दिन का वेतन काटने, सुपर वाइजर निलंबित परियोजना अधिकारी को नोटिस जारी

ब्यावरा / नरसिंहगढ़ । संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास भोपाल संभाग हरिकृष्ण शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा संयुक्त रूप से परियोजना महिला बाल विकास कुरावर अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र गीलाखेड़ी - 3 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण माह की गतिविधि संचालित होना पाई गई, परंतु केंद्र पर बच्चों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा पोषण ट्रैकर पर हितग्राहियों का डाटा अपडेट नहीं किया गया था। अव्यवस्थाओं को देखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का तीन दिवस का वेतन काटने, सुपरवाइजर श्रीमती वंदना शर्मा को निलंबित करने तथा परियोजना अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

सीएमओ द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने दिए गए आवश्यक निर्देश

समय जगत, इटारसी। विगत दिनों विधायक द्वारा समीक्षा बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्था में सुधार एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री सुरेखा जाटव द्वारा वार्ड क्रमांक 13 एवं 14, न्यास कॉलोनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के विरुद्ध कार्य से पृथक करने की कार्यवाही की गई। सीएमओ ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कर्मचारी अपने निर्धारित कार्यस्थल पर

उपस्थित रहकर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। निरीक्षण के दौरान न्यास कॉलोनी के पार्कों का भी जायजा लिया गया। पार्कों की वर्तमान व्यवस्था एवं रखरखाव को देखते हुए उनकी जवाबदारी वाटर सप्लाई में कार्यरत पंप ऑपरेटरों को दी गई है। उन्हें पार्कों की नियमित साफ-सफाई, पानी एवं आवश्यक रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वार्डवार निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग लगातार जारी रहेगी। नागरिकों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है।

विधायक की बहू ने थामा बीजेपी का दामन, कांग्रेस ने खोला 'परिवारवाद' का मोर्चा

गुढ़। विधानसभा की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह की बड़ी बहू रश्मि राजा सिंह, मयूरी सिंह ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। बड़े नेताओं की मौजूदगी और समर्थकों के शक्ति प्रदर्शन के बीच हुई इस राजनीतिक एंट्री को लेकर अब गुढ़ की सियासत में नए समीकरणों की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।रश्मि राजा सिंह के भाजपा में शामिल होने के दौरान रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता,जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर राजेंद्र ताम्रकार सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा नेताओं ने रश्मि राजा सिंह और उनके समर्थकों का स्वागत करते हुए इसे पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और मजबूती से जोड़कर देखा।

भाजपा में एंट्री, कांग्रेस ने उठाए परिवारवाद पर सवाल : भाजपा में रश्मि राजा सिंह की एंट्री के साथ ही कांग्रेस ने इसे लेकर सवालों का मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राजनीतिक परिवारों से जुड़े लोगों को लगातार अवसर मिलने से आम कार्यकर्ताओं के लिए राजनीतिक संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। कांग्रेस पार्टी के गुढ़ ब्लॉक अध्यक्ष उमाशंकर ललन पांडे ने सदस्यता समारोह को लेकर सवाल खड़े करते हुए इसे केवल पार्टी की सदस्यता का कार्यक्रम मानने से इनकार करते हुए इसे पारिवारिक राजनीति बताया एवं हुए घटनाक्रम को भविष्य के राजनीतिक समीकरणों की संभावनाओं पर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक ने अपना उत्तराधिकारी बनाने का प्रयास किया और न्यूक्लियर स्टार के कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की है लेकिन जनता सब जानती है जिसका जवाब उन्हें आने वाले चुनाव में आमजन द्वारा दिया जाएगा। वहीं कांग्रेस के पूर्व जिला सचिव नरेश तिवारी सहित कुछ ग्रामीणों ने भी राजनीतिक परिवारों के प्रभाव को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि महिला नेतृत्व और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की बात की जाती है, तो सामान्य परिवारों से आने वाली महिला कार्यकर्ताओं को भी समान अवसर मिलना चाहिए।

'महिला नेतृत्व' या 'राजनीतिक विरासत'? : रश्मि राजा सिंह की भाजपा में

एंट्री के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इसी सवाल को लेकर है–क्या यह गुढ़ की राजनीति में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की पहल है या राजनीतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की तैयारी? कांग्रेस की ओर से यही सवाल प्रमुखता से उठाया जा रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि महिला सशक्तीकरण और महिला नेतृत्व की बात तभी सार्थक होगी, जब राजनीतिक दल सामान्य कार्यकर्ताओं और गैर-राजनीतिक परिवारों से आने वाली महिलाओं को भी समान अवसर दें।हालांकि, फिलहाल भाजपा की ओर से रश्मि राजा सिंह की भविष्य की राजनीतिक भूमिका को लेकर कोई औपचारिक घोषणा सामने नहीं आई है।

रश्मि राजा सिंह बोलीं—पार्टी जो जिम्मेदारी देगी, पूरी निष्ठा से निभाऊंगी : भाजपा में शामिल होने के बाद रश्मि राजा सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने जनता की सेवा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए भाजपा की विचारधारा तथा केंद्र और राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होने की बात कही।उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थकों का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सिर्फ सदस्यता समारोह या भविष्य की सियासत का संकेत? : अनेकों समर्थकों की मौजूदगी में हुई रश्मि राजा सिंह की भाजपा में एंट्री को लेकर अब गुढ़ में चर्चा केवल पार्टी बदलने तक सीमित नहीं है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका की शुरुआत है या आने वाले समय में उन्हें कोई बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी मिल सकती है।यदि भविष्य में रश्मि राजा सिंह को संगठन में महत्वपूर्ण पद या चुनावी राजनीति में अवसर मिलता है, तो गुढ़ की सियासत में यह मुद्दा और गरमा सकता है। तब राजनीतिक बहस इस बात पर केंद्रित होगी कि इसे महिला नेतृत्व के विस्तार के रूप में देखा जाए या राजनीतिक परिवार की विरासत आगे बढ़ाने के रूप में।

कांग्रेस के सवालों ने बढ़ाई राजनीतिक गर्मी : एक ओर भाजपा इस पूरे घटनाक्रम को संगठन की मजबूती और नए समर्थकों के जुड़ाव के रूप में देख रही है, वहीं कांग्रेस ने परिवारवाद का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश शुरू कर दी है।यानी एक सदस्यता समारोह ने गुढ़ में संगठन विस्तार बनाम परिवारवाद की नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल–क्या रश्मि राजा सिंह की भाजपा में एंट्री सिर्फ एक सदस्यता कार्यक्रम है, या गुढ़ की आने वाली राजनीति में किसी बड़े राजनीतिक समीकरण की शुरुआत? फिलहाल इसका जवाब भविष्य के राजनीतिक घटनाक्रम ही देंगे।

महमूदपुर पंचायत के विकास कार्यों पर सवाल, ग्रामीणों ने मांगी पारदर्शिता और जांच

मऊगंज। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत महमूदपुर के ग्राम कचर में पंचायत के विकास कार्यों और व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीण युवक वैभव द्विवेदी द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के माध्यम से पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी मांगे जाने के बाद अधिकारियों की टीम गांव पहुंची और विभिन्न कार्यों का मौके पर निरीक्षण कर स्थिति की जानकारी ली। जांच के दौरान ग्रामीणों ने पंचायत के कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर अधिकारियों के सामने अपनी शिकायतें रखीं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा कई विकास कार्यों को अभिलेखों में पूरा दर्शाया गया है, जबकि मौके पर उनकी स्थिति अलग है। ग्रामीणों ने विशेष रूप से हनुमान मंदिर परिसर में कराए गए पेवर ब्लॉक निर्माण, बाउंड्री निर्माण सहित अन्य कार्यों को लेकर सवाल उठाए। उनका कहना है कि इन कार्यों को कागजों में पूर्ण बताया गया है, लेकिन स्थल पर निर्माण कार्य अधूरा नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से दस्तावेजों में दर्ज कार्यों और मौके पर वास्तविक स्थिति का मिलान कर जांच कराने की मांग की।

इसी तरह पंचायत क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट और कूड़ेदान लगाए जाने को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत के रिकॉर्ड में आठ स्ट्रीट लाइट लगाए जाने का उल्लेख है, जबकि गांव में केवल तीन स्ट्रीट लाइट ही दिखाई दे रही हैं। वहीं 10 कूड़ेदान लगाए जाने की जानकारी दर्ज होने के बावजूद मौके पर केवल पांच कूड़ेदान होने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया। ग्रामीणों ने इन कार्यों की भी भौतिक सत्यापन के साथ जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि पंचायत के सरपंच और सचिव से संपर्क करने में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। पंचायत से जुड़े कार्यों की जानकारी लेने और समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों को कई बार संबंधित जिम्मेदारों से संपर्क करने का प्रयास करना पड़ता है। इससे पंचायत की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। अधिकारियों के गांव से लौटने के बाद जब ग्रामीणों ने पंचायत के कार्यों को लेकर सवाल उठाए तो मामला विवाद में बदल गया। ग्रामीणों की सरपंच पति एवं उपसरपंच लक्ष्मीकांत पटेल से बहस हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पंचायत में कराए गए विकास कार्यों का हिसाब सार्वजनिक करने और दस्तावेजों में दर्ज कार्यों की मौके पर वास्तविक स्थिति से जांच कराने की मांग दोहराई। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर स्वीकृत राशि और किए गए खर्च की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को यह पता चल सके कि उनके गांव के विकास के लिए कितनी राशि स्वीकृत हुई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया। ग्रामीणों ने मांग की है कि आरटीआई में मांगी गई जानकारी के आधार पर पंचायत के सभी संबंधित कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

हल्का कचूर पटवारी निलंबित

रीवा। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने पर वृत्त नौबस्ता के हल्का कचूर पटवारी नागेन्द्र प्रसाद मिश्रा को निलंबित करने आदेश दिए गए हैं।एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी ने तहसीलदार हुजूर ग्रामीण के प्रतिवेदन पर यह कार्रवाई की है। जारी आदेश के अनुसार पटवारी को उक्त लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। समयावधि समाप्त होने के बाद भी संबंधित पटवारी द्वारा न तो कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया और न ही सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण में कोई रुचि दिखाई गई। वर्तमान में भी उनके हल्के अंतर्गत ग्रेडिंग माह में 6 शिकायतें एवं 50 दिवस से अधिक की 3 शिकायतें लंबित हैं। जिससे अनुभाग एवं तहसील की जिला स्तरीय ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। जिसके कारण मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत हल्का कचूर पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलम्बन अवधि में उनका मुख्यालय न्यायालय तहसीलदार तहसील हुजूर ग्रामीण नियत किया गया है तथा निलम्बन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

लक्ष्मणबाग और चिरहुला मंदिर में भण्डारा आयोजनों में प्राकृतिक पत्तल का होगा उपयोग

रीवा। लक्ष्मणबाग एवं चिरहुला मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले भण्डारों में अब प्राकृतिक पत्तल, दोने आदि का उपयोग किया जाएगा। सिंगल यूज प्लास्टिक तथा थर्माकोल से निर्मित सामग्रियों थाली, दोने, पत्तल, कप, ग्लास एवं चम्मच के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं प्रशासक लक्ष्मणबाग संस्थान नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार एसडीएम हुजूर एवं कार्यपालन अधिकारी लक्ष्मण बाग संस्थान अनुराग तिवारी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक और थर्माकोल से निर्मित सामग्री अजैविक होने के कारण मंदिर परिसरों की स्वच्छता को प्रभावित करती है तथा पर्यावरण की दृष्टि से प्रतिकूल है। इसलिए मंदिर परिसरों में होने वाले सभी प्रसाद वितरण व भण्डारा आयोजनों में प्लास्टिक और थर्माकोल के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। मंदिरों के पुजारी और प्रबंधन तथा सभी आयोजकों से भण्डारे में केवल पर्यावरण-अनुकूल और सुरक्षित विकल्पों का ही उपयोग करने की अपेक्षा की गई है, जिससे इनका आसानी से विनिष्ठीकरण हो सके। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

थर्माकोल से निर्मित पत्तल, दोने, चम्मच आदि के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध के आदेश

42 वन खंडों को आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया तेज

पटवारी और बीट गार्ड का संयुक्त दल करेगा भौतिक सत्यापन एसडीएम विजय राय और आईएफएस शोभित जोशी ने ली बैठक

समय जगत, सिवनी मालवा। तहसील अंतर्गत आने वाले 42 वन खंडों को संरक्षित वन श्रेणी से आरक्षित वन घोषित किए जाने के संबंध में आज जनपद सभाकक्ष सिवनी मालवा में एक महत्वपूर्ण वन व्यवस्थापन बैठक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा विजय राय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस दौरान वन विभाग आईएफएस शोभित जोशी शामिल हुए। बैठक में आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया को पारदर्शी, विवादरहित और समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु विचार-विमर्श किया गया। एसडीएम ने निर्देश दिए कि 42 वन खंडों के राजस्व व वन अभिलेखों, नक्शों और सीमाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए। इसके लिए संबंधित हल्का पटवारी और बीट गार्ड संयुक्त दल बनाकर स्थल पर भौतिक सत्यापन और सीमांकन का कार्य तत्परता से पूरा करें। इसके साथ ही बैठक में सिवनी मालवा स्थित 12 ग्रामों के वन ग्राम से राजस्व ग्राम संपरिवर्तन की प्रक्रिया को भी तेज किए जाने के बात कहीं। यह भी निर्देशित किया गया कि सीमांकन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों के किसी भी प्रकार के वैध अधिकारों या दावों का नियमानुसार परीक्षण कर यथोचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में तहसीलदार नितिन झोड़, वन परिक्षेत्र अधिकारी मयंक पांडे, संबंधित डिप्टी रेंजर, राजस्व निरीक्षक सुमित भाटी, बीट गार्ड तथा राजस्व विभाग के संबंधित समस्त हल्का पटवारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विद्यार्थियों का हुआ हेल्थ चेकअप, किया जागरूक

दतिया। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर 10 सितंबर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दतिया में जिला टास्क फोर्स एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में हेल्थ चेकअप एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सीमा सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को तनाव एवं अवसाद से दूर रहने के उपाय बताए। जिला चिकित्सालय से उपस्थित डॉ. शुभम ओझा, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर ने आत्महत्या एवं अवसाद से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने तथा अपनी समस्याओं का समाधान काउंसलर से संपर्क कर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। जिला चिकित्सालय से उपस्थित स्वास्थ्य परीक्षण टीम ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ का नेत्र परीक्षण, रक्त परीक्षण, रक्तचाप, शुगर एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस. सी. कौशिक ने करते हुए विद्यार्थियों को लगातार सक्रिय एवं सकारात्मक बने रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कोक सिंह दादोरिया तथा आभार डॉ. सीमा सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में जीवाजी विश्वविद्यालय से प्रो. हरिशंकर कंसाना, डॉ. कल्पित अग्रवाल, राजेश कतरौलिया, प्रो. एसके पांडेय, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. शिव सिंह परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अभय कुमार राहुल, प्रो. पुनीत प्रताप पांडे, प्रो. नजिस शेख, डॉ. मनोरमा सिंह, डॉ.राममिलन केवट आदि उपस्थित रहे।

इंडिया स्किल कॉम्पटिशन के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित

रीवा। इंडिया स्किल कॉम्पटिशन 2026-27 में अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता एवं पंजीयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रीवा में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सहायक संचालक आशु कुमार साहू, प्रशिक्षण अधीक्षक (तकनीकी) राजेश शर्मा एवं प्रशिक्षण अधिकारी ललित चौकीकर द्वारा इंडिया स्किल कॉम्पटिशन की प्रक्रिया, विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध अवसरों, संबंधित स्किल तथा पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में सौरभ शुक्ला, संयुक्त संचालक श्रीमती दीपमाला त्रिपाठी, सोनम पांडेय, प्राचार्य संभागीय आईटीआई रीवा सहित डिस्ट्रिक्ट स्किल कॉर्डिनेटर एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अपने-अपने संस्थानों में अवेयरनेस और रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित कर पात्र एवं इच्छुक युवाओं का अधिकाधिक पंजीयन सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया। इंडिया स्किल कॉम्पटिशन 2026-27 में पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2026 है। युवाओं से अपील की गई कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कौशल का प्रदर्शन करें और मध्यप्रदेश एवं भारत का नाम रोशन करें।

धरना स्थल की कलेक्टर के बिना अनुमति के काटी गई थी बिजली

रीवा। आपको बता दें कि पिछले 10 दिनों से कल्पना के पिता और परिवार वाले सिरमौर चौराहा पर धरना दे रहे हैं। सभी कल्पना की मौत के मामले में दोषियों पर एफआईआर की मांग कर रहे हैं। इस एक धरना प्रदर्शन ने पूरी सरकार को हिला रखा है। रीवा से लेकर भोपाल ही नहीं दिल्ली तक हड़कंप मचा हुआ है। सभी इस प्रदर्शन को जल्द से जल्द खत्म कराने में जुटे हुए हैं। जिला मजिस्ट्रेट और एसपी अपनी कोशिशों में सफल भी हो गए थे। 8 सितंबर को कलेक्टर और एसपी कल्पना के पिता और परिवार के सदस्यों से मुलाकात करने पहुंचे थे। कल्पना के पिता और परिजनों का कानून व्यवस्था सामान्य करने की बात कही थी। उन्हें समझाने का प्रयास किया था। इस बात पर वह राजी भी हो गए थे। यह भी संभव था कि वह धरना समाप्त कर देते। ऐने मौके पर बिजल विभाग के अफसरों ने बिना कलेक्टर को जानकारी और अनुमति के 9 सितंबर को चुपचाप रात में कनेक्शन काट दिया। बिजली कनेक्शन काटे जाने से पूरे प्रयास पर पानी फिर गया। फिर से आंदोलनकर्ता पिता और परिजनों का गुस्सा भड़क गया। एक छोटी सी लापरवाही ने पूरे किए कराए पर पानी फेर दिया। अब इस लापरवाही की सजा बिजली विभाग के अधिकारियों को भी मिलेगी। कलेक्टर ने इस मामले में दोषियों पर तुरंत कार्रवाई के लिए पत्र बिजली विभाग के एमडी को लिखा है। शहर संभाग के कार्यपालन अभियंता अभिषेक शुक्ला, एई मेंटीनेंस , सीई और एक अधिकारी को इस लापरवाही के मामले में मुख्य महाप्रबंधक ने नोटिस जारी कर दिया है। 7 दिन में जवाब मांगा है। पत्र में लिखा गया है कि दोनों अधिकारियों ने कानून व्यवस्था को बिगाडऩे का काम किया है। इतना ही नहीं धरना स्थल की बिजली कटवाने के बाद कार्यपालन अभियंता अभिषेक शुक्ला ने फोन भी बंद कर लिया था। जिला प्रशासन और पुलिस ने जब संपर्क करने की कोशिश की तो फोन बंद मिला। इससे स्थितियां और बिगड़ गई।

कानून व्यवस्था बिगाडऩे के मामले में शहर संभाग के कार्यपालन अभियंता पर कार्रवाई की तैयारी

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि उच्च अधिकारियों द्वारा कानून व्यवस्था बनाई जा रही थी। इस मौके पर जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों की अवज्ञा कर जिला प्रशासन के कानून व्यवस्था बनाने के प्रयासों को असफल किया गया। इस एक छोटी सी लापरवाही ने पूरे शहर का माहौल खराब कर दिया है। कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। तनाव की स्थिति निर्मित है।

गोटमार मेला : पांढुरना और सावरगांव के उपचार केंद्रों में पत्थर बाजी में 1000 से अधिक घायल

पांढुरना (देवेन्द्र खुरसंगे)। पांढुरना में शुक्रवार को विश्व प्रसिद्ध गोटमार मेले के दौरान जाम नदी में सुबह से शुरू हुई, पत्थरबाजी शाम तक जारी रही। झंडे पर कब्जे के लिए पांढुरना और सावरगांव पक्ष के खिलाड़ी आमने-सामने रहे। दोनों ओर से एक-दूसरे पर जमकर पत्थर बरसाए गए। लगातार पत्थरबाजी के चलते 1000 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों की संख्या लगातार बढ़ने के कारण अंतिम आंकड़ा स्पष्ट नहीं हो सका है। पत्थरबाजी में कई लोगों के सिर फूटे और गंभीर चोटें आईं। सावरगांव निवासी 33 वर्षीय नितिन भादे का पैर टूट गया, जबकि 48 वर्षीय प्रह्लाद साहू के कंधे की हड्डी टूट गई। पांढुरना निवासी 39 वर्षीय सचिन हाटेकर के पैर में गंभीर चोट आई। वहीं सावरगांव निवासी 30 वर्षीय संजय धारपुरे के सिर और पैर में गंभीर चोट लगी।

करीब 6:20 बजे कुल्हाड़ी से तोड़ा झंडा: गोटमार मेले की परंपरा के तहत जाम नदी के बीच लगाए गए प्लास के झंडे को लेकर दोनों पक्षों के बीच दिनभर पत्थरबाजी होती रही। करीब शाम 6:20 बजे पांढुरना पक्ष के ग्राम पेंडोनि प्रज्वल तुमडाम एवं सहयोगी खिलाडीयों ने कुल्हाड़ी से झंडे को तोड़ा। झंडा टूटने के बाद पांढुरना पक्ष के लोग झंडे को अपने साथ चंडी माता मंदिर ले गए, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मेले का मुख्य दौर

समाप्त हुआ और दोनों पक्षों के बीच चल रही पत्थरबाजी भी धीरे-धीरे थम गई।

7 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार: घायलों के उपचार के लिए मेला क्षेत्र में 7 अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 44 डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई और 22 एंबुलेंस तैनात की गईं। घायलों को आवश्यकता के अनुसार प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल भेजा गया। पांढुरना में गुजरी चौक स्थित बड़ा मारोती मंदिर परिसर में गुरुदेव सेवा समिति द्वारा घायलों की सहायता की गई। वहीं सावरगांव पक्ष की ओर से राजेंद्र प्राथमिक शाला में उपचार और सहायता का कार्य किया। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका कर्मचारियों और समितियों के सदस्यों ने भी घायलों की मदद में सक्रिय भूमिका निभाई।

नगर पालिका कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद: मेले के दौरान सुरक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर नगर पालिका के कर्मचारी, जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस-प्रशासन की टीमें मेला स्थल पर मौजूद रहीं। कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक प्रकाश चंद्र परिहार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद, एसडीएम अल्का एक्का, सीएमओ हेमेश्वरी पटले सहित अन्य अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर नजर रखी।

विधायक नीलेश उइके भी पहुंचे मेला स्थल: परंपरा के तहत पांढुरना से कांग्रेस विधायक नीलेश उइके भी गोटमार मेला स्थल पहुंचे। उन्होंने पांढुरना पक्ष की ओर से सावरगांव पक्ष की ओर पत्थर फेंककर परंपरा में सहभागिता निभाई। मेले के दौरान पांढुरना के चंडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दोनों पक्षों के लोगों ने देवी की पूजा-अर्चना की और स्थानीय भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। मेला देखने के लिए जिले सहित अन्य स्थानों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अनुमान है, कि 50 हजार से अधिक लोग मेले में शामिल हुए।

700 से अधिक पुलिसकर्मी, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी: सदियों पुरानी इस परंपरा के दौरान सुरक्षा के लिए 700 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मेला क्षेत्र और आसपास के इलाकों में 10 सीसीटीवी कैमरों और 3 ड्रोन से निगरानी की गई।

दतिया किला परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री का हुआ आत्मीय स्वागत

मुझे प्रसन्नता है कि दतिया की जनता ने घनश्याम सिंह को विधायक चुना - दिग्विजय सिंह

दतिया। दतिया की जनता व मां पीताम्बरा देवी का आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता रहा है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि दतिया के जन मानस ने उप चुनाव में घनश्याम सिंह को अपना विधायक चुना। उक्त विचार दतिया आए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किला प्रांगण में पत्रकारों से चर्चा करते हुए व्यक्त किए। हमारे पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में पूरे प्रदेश के कांग्रेस नेताओं को जिन्हें उप चुनाव में जो जिम्मेदारी दी गई थी उसे पूरी निष्ठा और लगन और एकजुट होकर कार्य किया। अवधेश नायक जिनका दो बार टिकट कटा इसके बाद भी कांग्रेस को सपोर्ट किया मैं उनका आभारी हूं। श्री सिंह दतिया प्रवास के दौरान दतिया विधायक घनश्याम सिंह के आमंत्रण पर दोपहर भोज के लिए किला परिसर पहुंचे थे। दतिया किला (प्रतापगढ़) पहुंचने पर दतिया महाराजा अरुणादित्य देव ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगवानी कर पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया, डबरा विधायक सुरेश राजे, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, पूर्व विधायक प्रागीलाल जाटव, कांग्रेस प्रदेश महासचिव अवधेश नायक, जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी रामलखन डंडोतिया, जिलाध्यक्ष अशोक दांगी बगदा आदि ने भी स्वागत किया। इसके पूर्व श्री सिंह ने शक्तिपीठ पीताम्बरा मंदिर पहुंच कर मां बगलामुखी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

नीरज शर्मा के निवास पर हुआ भव्य स्वागत: कांग्रेस के पूर्व जिला सचिव नीरज शर्मा के निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं नव निर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह का जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह एवं दतिया विधायक घनश्याम सिंह का साफा पहनाकर, तलवार भेंट कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत, अभिनन्दन किया।

संपादकीय

पाकिस्तान की बेहतरी के लिए जरूरी है आतंकवाद पर लगाम

देश के लिये आतंकवाद लंबे समय से बड़ा मुद्दा है। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वास बहाली के लिए अनुकूल माहौल जरूरी है। जिसके लिये पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है। लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मर्यादाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं।

उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरुआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है। ऐसे में पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम लगाए तो उससे जुड़े शेष मुद्दों का समाधान भी हो सकता है।

दुबई में बजा मोहन का डंका, एमपी में संभावनाएं हैं अपार

नजरिया

प्रदेश में 18 नई उद्योग अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।

हर्षवर्धन पांडे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा। मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज़ मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है।

दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रुऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूँजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई। वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देश सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा। बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे।

दुबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया। इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा । दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

विश्व को भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन से दिया शांति का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

पूरा विश्व इस समय जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें भारत के नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल राष्ट्राध्यक्षों की एक कूटनीतिक बैठक भर नहीं है। यह सम्मेलन बदलती हुई विश्व व्यवस्था, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और विकासशील देशों की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच भारत की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2026 में भारत चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इस बार उसका केंद्रीय विषय है (बिल्डिंग फॉर रेसिलियंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) अर्थात लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण 7 भारत ने अपनी अध्यक्षता को ह्यूमैनिटी फर्स्ट की सोच से जोड़ते हुए ब्रिक्स को अधिक व्यावहारिक और विकासोन्मुख मंच बनाने पर जोर दिया है। यही इस सम्मेलन से भारत का पहला और सबसे बड़ा संदेश है- विश्व राजनीति को टकराव से निकालकर सहयोग की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। आज विश्व के अनेक हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं। यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया की अस्थिरता और अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत लगातार इस बात पर जोर देता आया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। ब्रिक्स का मंच भारत को यह संदेश देने का अवसर देता है कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं और राष्ट्रीय हितों वाले देश भी संवाद और सहयोग के माध्यम से साझा समस्याओं पर काम कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति का मूल स्वर न तो किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़ा होना है और न किसी दूसरे गुट के विरोध में खड़ा होना। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहता है। यही रणनीतिक स्वायत्तता आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनती दिखाई दे रही है। ब्रिक्स अब केवल पांच देशों का आर्थिक समूह नहीं रह गया है। इसके विस्तार ने इसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत इस मंच के माध्यम से ग्लोबल साउथ की उस आवाज को मजबूती देना चाहता है, जो लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की निर्णय प्रक्रिया में विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या-आधारित ताकत के अनुरूप प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार उठता रहा है। भारत का संदेश स्पष्ट है– 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था 20वीं सदी की शक्ति-संरचना के आधार पर नहीं चल सकती । विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए वैश्विक संस्थाओं में भी उनकी आवाज और भागीदारी बढनी चाहिए। नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण आयाम आर्थिक सहयोग भी होगा। भारत ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, निवेश, वित्तीय सहयोग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।

भारत की अध्यक्षता में व्यापार मंत्रियों की बैठकों में भी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला और विविध बनाने तथा छोटे एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोडने पर जोर दिया गया है। भारत का अनुभव बताता है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, विशेषकर डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन और तकनीक आधारित सेवाएं विकासशील देशों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकती हैं। इसलिए ब्रिक्स के मंच से भारत का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि तकनीक केवल विकसित देशों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए। भारत आज दुनिया के सामने अपनी डिजिटल क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। डिजिटल भुगतान को आम नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि ब्रिक्स देश डिजिटल भुगतान, फिनटेक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हैं, तो इससे विकासशील देशों के करोड़ों लोगों को लाभ मिल सकता है। यह भारत की उस सोच से मेल खाता है जिसमें तकनीक का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि आम आदमी का सशक्तीकरण भी है। नई दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष भारत-चीन संबंध भी है। चीन की भागीदारी इस सम्मेलन को रणनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद हाल के वर्षों में संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह चीन के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा चिंताओं से समझौता न करे। यही भारतीय कूटनीति की परीक्षा है– प्रतिस्पर्धा के बीच सहयोग और मतभेदों के बीच संवाद भारत यह संदेश देना चाहता है कि किसी देश के साथ आर्थिक या राजनीतिक मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि संवाद के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं। ब्रिक्स में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

खेतों में फसल, आसमान में उतरेगी ऊर्जा

विनोद सिंह

भारत के खेत अब केवल अन्न पैदा करने तक सीमित नहीं रहेंगे। आने वाले समय में यही खेत देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खेत की मिट्टी में फसल लहलहाए और उसी खेत के ऊपर लगे सौर पैनल स्वच्छ बिजली पैदा करें कृषि और ऊर्जा के इस नए संगम को एग्रीवोल्टिक्स कहा जा रहा है। यह अवधारणा भारत जैसे देश के लिए विशेष महत्व रखती है, जहाँ एक ओर बड़ी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, वहीं दूसरी ओर तेजी से बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पूरा करना है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डॉ. प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली में 7वें एग्रीवोल्टिक्स वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस 2026 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस दिशा में भारत की भावी नीति का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि जिस किसान ने हमेशा देश का पेट भरा है, वही अब देश को रोशन भी कर रहा है। अन्नदाता अब ऊर्जादाता बन रहा है। यह कथन केवल एक भावनात्मक संदेश नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र को ऊर्जा उत्पादन से जोड़कर किसानों की आय में स्थिरता लाने की संभावनाओं की ओर संकेत करता है। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा यह है कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान यानी पीएम- कुसुम के अगले चरण में एग्रीवोल्टिक्स के लिए एक समर्पित घटक लायाजाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को खेती जारी रखते हुए सौर ऊर्जा उत्पादन से आय का अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराना है। इसमें विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और पंचायतों को केंद्र में रखा जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि का स्वामित्व किसान के पास ही बना रहे। भारत की कृषि व्यवस्था की सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश किसान छोटे और सीमांत हैं। ऐसे किसान सीमित भूमि पर खेती करते हैं और उनकी आय काफी हद तक मानसून बाजार भाव तथा कृषि लागत पर निर्भर रहती है। ऐसे में यदि उसी भूमि से नियमित सौर ऊर्जा आय का एक नया स्रोत जुड़ जाए तो किसान की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। एग्रीवोल्टिक्स का मूल विचार भी यही है कि किसान को फसल और सौर ऊर्जा में से किसी एक का चुनाव न करना पड़े। सौर पैनलों को इस तरह स्थापित किया जाए कि उनके नीचे या आसपास खेती जारी रह सके। यानी जमीन पर फसल और उसके ऊपर सूर्य की रोशनी से बिजली एक ही खेत से दोहरा लाभ । यही मॉडल सीमित कृषि भूमि के अधिकतम उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। डॉ. जोशी ने एक एकड़ जमीन से

किसान की संभावित तीन आय धाराओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। पहली आय खेत में पैदा होने वाली फसल से होगी। दूसरी आय सौर ऊर्जा को डिस्कॉम को बेचने से प्राप्त हो सकती है। तीसरा लाभ डीजल आधारित सिंचाई की जगह सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से होने वाली बचत के रूप में सामने आएगा। इस प्रकार सौर ऊर्जा किसान के लिए केवल अतिरिक्त कमाई नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा का साधन बन सकती है। भारत की जनसंख्या और भूमि का अनुपात भी एग्रीवोल्टिक्स की उपयोगिता को स्पष्ट करता है। भारत में विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी रहती है, जबकि विश्व की कुल भूमि में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2.4 प्रतिशत है। देश के 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत श्रेणी में आते हैं और दो हेक्टेयर से कम भूमि पर खेती करते हैं। ऐसी परिस्थिति में कृषि भूमि का ऐसा उपयोग, जिसमें खाद्य उत्पादन प्रभावित किए बिना ऊर्जा उत्पादन भी किया जा सके, आने वाले समय में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दूसरी ओर भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। देश ने पिछले वर्ष 55.29 गीगा वाटगैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता जोड़ी। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि भारत की ऊर्जा व्यवस्था तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सौर ऊर्जा इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। कृषि क्षेत्र में भी सौर ऊर्जा का विस्तार दिखाई दे रहा है। पीएम- कुसुम के तहत लगभग 29 लाख कृषि पंपों का सोलरीकरण किया जा चुका है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। पिछले वर्ष विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा ने कुल 16.3 गीगावाट का योगदान दिया, जिसमें पीएम- कुसुम से 7.6 गीगावाट और रूफटॉप सोलर से 8.7 गीगावाट शामिल हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों की संख्या भी करीब 56 लाख तक पहुँच रही है। हालाँकि एग्रीवोल्टिक्स को केवल सौर पैनल लगाने की सामान्य तकनीक मानना उचित नहीं होगा। कृषि और सौर ऊर्जा दोनों की जरूरतों को साथ लेकर चलने के लिए क्षेत्रवार और फसलवार वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक होंगे। हर फसल को समान मात्रा में धूप की आवश्यकता नहीं होती। इसी तरह देश के अलग- अलग क्षेत्रों में जलवायु, मिट्टी, वर्षा और तापमान की परिस्थितियाँ भी अलग हैं। इसलिए पैनल की ऊँचाई, उनके बीच की दूरी, दिशा, ट्रैकिंग सिस्टम और संरचना का निर्धारण स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप करना होगा। इस दिशा में पुणे स्थित बाएफ के रूरल इनोवेशन सेंटर में 30 फसलों के साथ 17 अलग-अलग सौर विन्यासों का परीक्षण किया जा रहा है। यह प्रयोग इस बात का उदाहरण है कि एग्रीवोल्टिक्स की सफलता के लिए अनुसंधान और प्रयोग कितना महत्वपूर्ण है। भविष्य में यह तय करना होगा कि किस क्षेत्र में किस फसल के साथ किस प्रकार की सौर संरचना सबसे प्रभावी होगी । कृषि मशीनरी की आवाजाही भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है।यदि खेत में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर या अन्य कृषि उपकरण आसानी से नहीं चल पाएंगे तो किसानों के लिए एग्रीवोल्टिक्स आकर्षक मॉडल नहीं बन सकेगा। इसलिए ऐसी संरचनाओं की आवश्यकता होगी जिनके नीचे कृषि कार्य सामान्य रूप से किया जा सके और जो स्थानीय मौसम की परिस्थितियों का भी सामना कर सकें। इसके साथ लागत कम करना भी जरूरी होगा। सौर संरचनाओं, माउंटिंग सिस्टम और अन्य उपकरणों की लागत यदि अधिक रही तो छोटे किसान के लिए इस मॉडल को अपनाना कठिन हो सकता है। इसलिए उद्योग, स्टार्टअप और शोध संस्थानों को कम लागत वाली, मजबूत और किसान केंद्रित तकनीक विकसित करनी होगी। एग्रीवोल्टिक्स की सफलता के लिए कृषि क्षेत्र का वैज्ञानिक ज्ञान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना ऊर्जा क्षेत्र का तकनीकी ज्ञान । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा फसलवार तथा क्षेत्रवार आंकड़े तैयार किए जाने की आवश्यकता है। इससे किसानों को यह जानकारी मिल सकेगी कि उनके क्षेत्र में कौन-सी फसल और कौन-सा सौर विन्यास सबसे उपयुक्त रहेगा। इस नई व्यवस्था के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन भी जरूरी है। भारत में लगभग 70 हजार सूर्य मित्रों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये प्रशिक्षित युवा ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना, रखरखाव और तकनीकी सहायता में भूमिका निभा सकते हैं। इससे नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। एग्रीवोल्टिक्स की संभावनाएँ केवल भारत तक सीमित नहीं हैं। डॉ. जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का अनुभव ग्लोबल साउथ के उन देशों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है, जहाँ छोटे कृषि जोत, पर्याप्त

38 साल बाद श्रीलंका की यात्रा पर पहुंचे भारतीय रक्षा मंत्री

नीरज कुमार दुबे

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। करीब 38 साल बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री का श्रीलंका पहुंचना हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति में भारत की उस रणनीतिक वापसी का संकेत है, जिसमें सुरक्षा, समुद्री शक्ति, आर्थिक साझेदारी और जनविश्वास, चारों मोर्चों को एक साथ साधा जा रहा है। इससे पहले 1988 में तत्कालीन रक्षा मंत्री केसी पंत श्रीलंका गए थे और अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलंबो की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। लेकिन मौजूदा घटनाक्रम संकेत देता है कि कोलंबो अब एकतरफा चीनी निर्भरता की बजाय संतुलित साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खुद श्रीलंका के संडे टाइम्स ने राजनाथ सिंह के दौरे से पहले लिखा कि भारत चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू किया जाए। अखबार ने यह भी रेखांकित किया कि सिंह की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब श्रीलंका को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक सक्रियता से संचालित करना होगा। इसी अखबार के संपादकीय ने इससे भी बड़ा संकेत दिया। उसने हिंद महासागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच श्रीलंका को फिर से जिओपालिटिकल वोर्टेक्स में बताया और चीन के संदर्भ में पहले सामने आए संदिग्ध शोध-पोतों के मुद्दे को याद किया। यानी श्रीलंका की अपनी मीडिया बहस भी यह स्वीकार कर रही है कि द्वीप की सुरक्षा और संप्रभुता अब सीधे हिंद महासागर की महाशक्ति प्रतिस्पर्धा से जुड़ी है। इस यात्रा का सबसे ठोस परिणाम तीन महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों के रूप में सामने आ रहा है। इनमें दोनों देशों के एनसीसी के बीच सहयोग, भारत और श्रीलंका के नेशनल डिफेंस कालेजेज के बीच साझेदारी तथा श्रीलंकाई वायुसेना के भारतीय मूल के रु70 एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों के रखरखाव में भारत की सहायता शामिल है। भारत पहले ही 24 ऐसे हथियार श्रीलंका को दे चुका है और अब शेष छह की भी मुफ्त में मेंटेनेंस सहायता करेगा। यहां असली महत्व हथियारों से ज्यादा दीर्घकालिक सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और संस्थागत संबंधों का है। प्रशिक्षण, रक्षा शिक्षा और उपकरणों का रखरखाव किसी देश को केवल हथियार बेचने से कहीं ज्यादा गहरे सुरक्षा रिश्ते में बांधता है। इसके साथ ही कोलंबो बंदरगाह पर भारतीय नौसेना के आईएनएस उदैगिरि की मौजूदगी ने यात्रा को स्पष्ट समुद्री आयाम भी दे दिया है। राजनाथ सिंह ने केवल रक्षा की भाषा नहीं बोली। उन्होंने भारत की आर्थिक क्षमता, तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका को भी सामने रखा।

जनविश्वास शिविर में 116 अभिलेख सुधार आवेदनों का मौके पर निराकरण

बल्देवगढ़। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को बल्देवगढ़ ब्लॉक में आयोजित जनविश्वास शिविर में आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण की पहल की गई। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें अभिलेख सुधार, भूमि संबंधी प्रकरण, सड़क निर्माण एवं मरम्मत सहित विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन शामिल रहे। अभिलेख सुधार से संबंधित 116 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिससे संबंधित आवेदकों को तत्काल राहत मिली। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराना है। शासकीय प्रक्रियाओं में अनावश्यक परेशानी न हो और नागरिकों की समस्याओं का पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। शिविर के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय उद्यमियों अजय कुमार चौरसिया, प्रदीप चौरसिया, हीरालाल लोधी, ममता लोधी, अंगूरी लोधी, सीमा विश्वकर्मा एवं अंकुर जैन से संवाद किया। उन्होंने उद्यमियों के कार्य, गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर व्यवसाय संचालन में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके सुझाव भी सुने। संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सहयोग एवं समन्वय के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिविर में मौजूद आमजन से भी सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं जानीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनविश्वास अभियान के तहत प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर दिलाया जाए। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी मिश्रा, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सीईओ विशाल धाकड़, एसडीएम बल्देवगढ़ निशांत भूरिया, तहसीलदार बल्देवगढ़ प्राची जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रारूप छ– 8

म0प्र0 सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49 ड (3) के अंतर्गत कार्यालय - रिटर्निंग अधिकारी रोशनी पावरलूम बुनकर सहकारी समिति

मर्यादित निवाड़ी, जिला निवाड़ी पंजी. क्रमांक – D.R.H./GW.R/03 दिनांक 21.07.1998

क्रमांक / नि.अ./2026/ दिनांक 10.09.2026

निर्वाचन कार्यक्रम

म0प्र0 राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी के आदेश क्रमांक / सह0नि0 प्रा0 /निर्वा– 1/2026 / 2054 भोपाल, दिनांक 19.08.2026 के द्वारा मुझे रोशनी पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित निवाड़ी, जिला निवाडी के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

संचालक मंडल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु निम्नलिखित निर्वाचन कार्यक्रम निश्चित किया गया है जो कि सोसाइटी के समस्त सदस्यों के सूचनार्थ प्रकाशित करता हूं।

1. सोसाइटी की पंजीकृत उपविधि क्रमांक 29 के अनुसार संचालक मंडल के निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की कुल संख्या 09	विवरण निम्नानुसार है :–
(अ) सामान्य वर्ग (अनारक्षित) से 08	(इसमें से महिला वर्ग हेतु आरक्षित 01)
(ब) अनुसूचित जाति वर्ग से 01	(इसमें से महिला वर्ग हेतु आरक्षित 01)
(स) अनुसूचित जनजाति वर्ग से निरंक	(इसमें से महिला वर्ग हेतु आरक्षित निरंक)
कुलयोग – 09	02
टीप– जिस वर्ग में महिला आरक्षण नहीं किया गया है उसे निरंक दर्शाया जावे	
2. नामांकन पत्र प्रस्तुत करने का दिनांक, स्थान, समय दिनांक 17.09.2026	समय – 12 :00 बजे से 02 :00 बजे तक स्थान – मैन रोड बड़ी मातनपुरा वार्ड क्र. 07
3. नामांकन पत्रो की जांच एवं वैध नामांकन पत्रो की सूची दिनांक 18.09.2026 को समय 02 :00 से का प्रकाशन	जांच पूर्ण होने तक स्थान – मैन रोड बड़ी मातनपुरा वार्ड क्र. 07
4. नामांकन पत्रो की वापसी का दिनांक तथा चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चिन्हों का आबंटन	दिनांक 20.09.2026 समय 12 :00 बजे से 02 :00 बर्षो तक इसके उपरांत चिन्हो का आवंटन
5. विशेष साधारण सम्मिलन में चुनाव (मतदान) दिनांक एवं मतगणना	दिनांक 25.09.2026 समय 12 :00 से 02 :30 बजे तक (चुनाव (मतदान) समाप्त होने के पश्चात मतगणना प्रारंभ की जावेंगी)
6. रिक्त स्थानों एवं वृत्तिक संचालको के सहयोजन	दिनांक 26.09.2026 समय 12 :00 बजे से 02 :00 बजे तक
7. रिक्त स्थानो के नामाकन की तिथि	दिनांक 28.09.2026
8. अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटीयों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियो तथा अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन की सूचना जारी करना	दिनांक 29.09.2026
9. अध्यक्ष / उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसाइटीयों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियो तथा अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन दिनांक समय	दिनांक 03.10.2026 समय 12 :00 से 02 :00 बजे तक

टी.आर. चौधरी
रिटर्निंग अधिकारी
रोशनी पावरलूम बुनकर सहकारी समिति
मर्यादित निवाड़ी, जिला निवाड़ी
दिनांक 10.09.2026

कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. भोपाल

(पंजीयन क्रमांक/ डी.आर.बी./504, दिनांक 04.11.1986)

वार्षिक साधारण सभा की सूचना

संस्था के समस्त सम्मानीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 26.09.2026 दिन शनिवार को संस्था कार्यालय ई–4/382, अरेरा कालोनी भोपाल पर दोपहर 12 :00 बजे आयोजित की गई है। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। संस्था के समस्त सदस्यों को साधारण डाक द्वारा पृथक से सूचना पत्र विषय सूची सहित प्रेषित किया जा चुका है। यदि किसी सदस्य को उक्त बैठक की सूचना प्राप्त नही हुई हो तो कृपया इस सूचना को वार्षिक साधारण सभा की सूचना मानकर बैठक में भाग लेने का कष्ट करें।

अध्यक्ष
कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति, मर्यादित, जिला-भोपाल (म.प्र.)

नाम परिवर्तन जाहिर सूचना

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मुझ ओम प्रकाश दांगी के पुत्र के आधार कार्ड क 9742 3204 9701 में त्रुटीवश मुझ प्रार्थी के पुत्र का नाम शोमनाथ दांगी (SHOMNATH DANGI) नाम अंकित गया है एवं मुझ प्रार्थी के पुत्र के अन्य दस्तावेज अंक सूची, जन्म प्रमाण मे दिव्यांश दांगी (DIVYANSH DANGI) पुत्र ओम प्रकाश दांगी नाम अंकित है जो कि वास्तविक व सही नाम है।

अत :प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र का नाम दिव्यांश दांगी (DIVYANSH DANGI) के नाम से जाना व पहचाना जावे।

सर्व साधारण को सूचित होवे

स्थान : भोपाल
दिनांक............

ओम प्रकाश दाँगी
प्रार्थी
ओम प्रकाश दांगी पुत्र श्री प्रभुलाल दांगी
आयु 38 वर्ष निवासी ग्राम खेडी पोस्ट
गनियारी नरसिहंगढ जिला राजगढ़ (म.प्र.)
पिन 465669 मो. नंबर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम BRAJENDRA SINGH दर्ज है और समस्त शासकीय एवं अशासकीय अभिलेखों में मेरा नाम BRIJENDRA SINGH बृजेन्द्र सिंह दर्ज है। जो मेरा सही नाम है अत: भविष्य में मुझे मेरे सही नाम बृजेन्द्र सिंह BRIJENDRA SINGH के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथी से 07 दिवस के भीतर उचित प्रमाण सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थान : डबरा वार्ड नं 1 सिमरिया ताल
नाम : BRIJENDRA SINGH
बृजेन्द्र सिंह
पिता- MAHARAJ SINGH
महाराज सिंह

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार वृत - 2 तहसील हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 4651 / अ-6/2026-27
ग्राम कानासैया प0ह0न0 37
दिनांक 11.9.26

ईश्तहार

सर्वसाधरण विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक बाबुराव महतपुरे पिता सदाशिव राव महतपुरे निवासी - स्वदेश नगर, अशोका गार्डन, भोपाल, म0प्र0 म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दस्तावेज क्रमांक एमपी43 आईजीआर 16962026 ए100910872 दिनांक 23.07.2026 के आधार पर क्रय की गई भूमि खसरा क्रमांक 369/ 1/ 2 में से अंश भाग रकबा 0.304 हे0 भूमि स्थित ग्राम कानासैया प0ड0न0 37 तहसील हुजूर, जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ, रजिस्टर्ड विक्रेता पत्र की छायाप्रति एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। जिसका प्रकरण न्यायालय मे विचारधीन है।

उक्त संबध मे किसी व्यक्ति / सस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वय नियत है। अथवा अपने अभिभाषक के माध्याम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। प्रकरण मे आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 29.9.26 नियत है।

उक्त उदघोषणा मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 11.9.26 को जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार वृत्त - 2
तहसील हुजूर जिला भोपाल

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

:: आम सूचना ::

राजीवनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल स्थित भवन कं एल.आई.जी. – 235 ए – सेक्टर श्री दिलीप पवार खापरिया आत्मज श्री हरि पवार खापरिया के नाम पर हस्तांतरण आदेश कं 11 दिनांक 02/01/2004 के द्वारा हस्तांतरित है। जिसका विक्रय पत्र दिनांक 20/09/2005 को पंजीयन 7 कार्यालय से पंजीकृत किया गया है। श्री दिलीप पवार खापरिया के द्वारा उक्त भवन विक्रय पत्र दिनांक 24/08/2026 के द्वारा श्रीमती साक्षी हर्षित श्रीवास्तव पत्नि श्री हर्षित श्रीवास्तव को विक्रय कर दिया गया है। अतः उक्त संपत्ति केता / विक्रेता द्वारा श्रीमती साक्षी हर्षित श्रीवास्तव पत्नि श्री हर्षित श्रीवास्तव के नाम से हस्तान्तरण करने हेतु दिनांक 03/09/2026 को ऑनलाईन आवेदन, शपथ–पत्र, विकय विलेख की छायाप्रति के साथ घोषणापत्र, परिचय सत्यापन पत्र इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है। उक्त प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती साक्षी हर्षित श्रीवास्तव पत्नि श्री हर्षित श्रीवास्तव के नाम पर हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भोपाल

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाऊसिंग बोर्ड द्वारा विकसीत कालोनी नागचून रोड़ से के नाम खण्डवा में स्थित भवन/ भूखण्ड क्रमांक HIG– 14 मंडल द्वारा शेख अमीनुलहक पिता शेख बाबू आवंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 29/09/2010 को पंजीकृत है। शेख अमीनुलहक से उक्त संपत्ति मोहम्मद मजहर पिता मोहम्मद हमीद ने कय कर विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 10/08/2026 को अपने पक्ष में करा लिया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन शपथ पत्र / संयुक्त शपथ पत्र / विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती मोहम्मद मजहर पिता मोहम्मद हमीद की ओर से हस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तिय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मंडल संभाग खण्डवा

संयुक्त गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

(पंजीयन क्रमांक डी. आर. बी–897, दिनांक 28.03.2002)
कार्यालय–जेड–10, जोन–I, एम.पी. नगर, भोपाल

वार्षिक साधारण सम्मेलन की सूचना

संस्था के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सम्मेलन दिनांक 26.09.2026, दिन–शनिवार को दोपहर 12 बजे से स्थान : जेड–10, जोन– I, एम. पी. नगर, भोपाल पर आयोजित की गई हैं। जिसमें समस्त सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। वार्षिक साधारण सभा का एजेण्डा साधारण डाक से समस्त सदस्यों को प्रेषित किया जा चुका है। जिन सदस्यों किन्ही कारण से सूचना पत्र प्राप्त न हो तो इस सूचना को आमंत्रण मानकर उपस्थित होने का कष्ट करें।

अध्यक्ष
संयुक्त गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, भोपाल

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवासीय कालोनी असनानी वेलनिशिया विलास ग्राम–कटारा स्थित भूमि खसरा नंबर–179, 202, 203, 204, 205/2, 206/1, 218/2 एवं 207 कुल रकबा 3.75 हेक्टेयर तहसील कोलार जिला भोपाल में स्थित है। ई.डब्ल्यू.एस. एवं एल. आई.जी. (कमजोर एवं निम्न आय वर्ग हेतु आरक्षित) प्रकोष्ठ की बुकिंग हेतु कार्यालय समयावधि में कार्यालय असनानी वेलनिशिया साइट ऑफिस ग्राम–कटारा के पास जिला भोपाल में संपर्क किया जा सकता है, आवेदन निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति के साथ प्रस्तुत करें, अधूरे भरे हुए आवेदन पत्रों एवं दस्तावेजों की प्रति संलग्न नहीं होने की दशा में उक्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के सिद्धांत पर की जावेगी।

संपर्क–
मेसर्स असनानी लाइफ स्पेस
ग्राम–कटारा जिला भोपाल म.प्र.
मोबाईल नंबर–9827893506

कार्यालय नगर परिषद मुंगावली जिला अशोकनगर (म.प्र.)

कमांक/ स्वच्छता/2026/1106 मुंगावली दिनांक - 08/09/2026

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एतद द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा मानदंडो को पूरा करने वाले समस्त पंजीकृत ऐजेन्सी/फर्म से ऑनलाईन निविदा आयटम दर आधारित प्रतिमाह के मान से एमपी ईण्डर के माध्यम से निविदाआयें आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है-

टेण्डर आई.डी. कमांक.	कार्य का नाम एवं विवरण	अनु. राशि (लाख)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की राशि	समयावधि
2026_UAD_535290_1	नगरीय क्षेत्र के 01 लगायत 15 वार्डों से डोर टू डोर कचरा सग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण एवं कचरा निष्पादन ईकाई के संचालन, ऑनलाईन एमआईएस पोर्टल पर फीडिंग का कार्य, कचरा वाहनो में जीपीएस सिस्टम से मॉनिटरिंग का कार्य आउटसोर्स एजेन्सी के माध्यम से कराये जाने।	120.00	60000/-	12500/-	कार्यादेश दिनांक से 12 माह

नोट :--

1- निविदा और पात्र निविदादाता की विस्तृत निविदा एवं अन्य सभी जानकारी वेबसाइट MP Tenders पर विभाग का नाम: नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में देखी जा सकती है।
2- ऑनलाइन निविदा प्रपत्र दिनांक 11/09/2026 सुबह 10:30 बजे से 12/10/2026 शाम 5:30 बजे तक वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करके खरीदे जा सकते हैं।
3- ऑनलाइन टेण्डर दिनांक 16/09/2026 सुबह 10:30 बजे से 12/10/2026 शाम 5:30 बजे तक जमा की जा सकती है।
4- ऑनलाइन निविदा 14/10/2026 को सुबह 11:00 बजे खोली जाएगी।
5- पिछले 5 वर्षों में किसी भी सरकार, सरकारी बोर्ड, कॉर्पोरेशन, कंपनी, वैधानिक निकाय, PSU कंपनी, गैर-सरकारी संस्था, किसी संप्रभु देश की सरकार, निजी एजेंसी या फंडिंग एजेंसी द्वारा एजेंसी को ब्लैकलिस्ट/डीबार नहीं किया गया होना चाहिए और न ही उसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म किया गया होना चाहिए (सिवाय इसके कि ऐसा एम्प्लॉयर की सुविधा के लिए किया गया हो)।
6- एजेंसी के पास GST, PAN, एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड (EPF) और एम्प्लॉई स्टेट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (ESIC) के लिए वैध रजिस्ट्रेशन होने चाहिए।
7- स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में शीर्ष 5 रैंक वाले किसी भी शहर में काम करने वाली एजेंसी MoHUA द्वारा ULB को जारी किया गया प्रमाण-पत्र / एजेंसी का वर्क ऑर्डर / अनुभव प्रमाण-पत्र होना चाहिए |
8- एजेंसी ने कम से कम 3 एंड-टू-एंड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरे किए हों, जिनमें घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करना, कचरे की प्रोसेसिंग और ट्रीटमेंट, और IEC गतिविधियां शामिल हों; इनमें से कम से कम 1 प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में होना चाहिए।
9- एनआईटी में संशोधन यदि कोई होता है तो केवल, बेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।
10- म०प्र० नगरपालिका/लेखा/वित्त नियम 2018 एवं शासन की समस्त संशोधन सहित शर्ते निविदा प्रपत्र का हिस्सा होगी।
11- निकाय में पूर्व से कार्यरत कचरा वाहनो पर ड्रायवर / हेल्पर को प्राथमिकता के आधार पर कार्य पर लिया जाना होगा।
12- निविदादाता को 200/- रूपये स्टाम्प पर शपथ पत्र देना होगा कि उनके फर्म विगत वर्षो में किसी भी निकाय अथवा शासकीय विभाग द्वारा अमानत राशि जप्ती/काली सूची में डालने जैसी कार्यवाही नही की गई व उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई भी प्रकरण लंबित नही है।
13- निविदाकार को ऑनलाईन निविदा के साथ 03 नगरीय निकायों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण / पृथकीकरण/ मटेरियाल रिकवरी फेसलेटी (MRF) एवं माईकरों कंपोस्टिंग सेंटर (MCC) कचरा ईकाईयो का संचालन कार्य करने का कार्यादेश एवं 01 वर्ष सफलतापूर्वक कार्य करने का अनुभव प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा।
14- कानूनी संस्था: यह एक स्वतंत्र कानूनी संस्था (एनजीओ, पंजीकृत सोसायटी या ट्रस्ट) होनी चाहिए जो कम से कम 3 वर्षों से कार्यरत हो और निगमन, पंजीकरण प्रमाण पत्र या ट्रस्ट विलेख द्वारा समर्थित हो।कार्यालय का स्थान: मध्य प्रदेश में एक कार्यालय होना अनिवार्य है, जिसका पते का दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
15- अनुभव: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, एमआरएफ, अपशिष्ट पृथक्करण या प्रसंस्करण में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव आवश्यक है, जिसे कार्य आदेशों या अनुभव प्रमाण पत्रों के माध्यम से सिद्ध किया जा सकता है। पूर्व परियोजनाएं: कम से कम 3 संपूर्ण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाएं पूरी की हों, जिनमें से कम से कम 1 मध्य प्रदेश में हो।
16- वित्तीय स्थिति: इसके लिए तीन वर्षों में न्यूनतम औसत वार्षिक आय ₹ 3.00 करोड़ होनी चाहिए, जिसकी पुष्टि सीए प्रमाणपत्र और लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों द्वारा की जानी चाहिए।
17- अच्छी साख: ब्लैकलिस्ट या प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए, जिसका प्रमाण लेटरहेड पर स्व-घोषणा द्वारा दिया जाना चाहिए।
18- किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री दिनेश पटेल पद उपयंत्री से संपर्क करें। संपर्क मोबाइल नंबर 9111156926

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मुंगावली
जिला अशोकनगर (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SHOEV था। परन्तु अब मैंने नाम परिवर्तित कर SHOEV KURAISHI कर लिया है। अत: अब मुझे SHOEV KURAISHI निवासी STATION MAIN ROAD, WARD NO.13, 1, GANJ BASODA, VIDISHA, (M.P.) के नाम से जाना व पहचाना जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम AKSHAK SARASWAT जो कि मेरी मार्कशीट में अंकित है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर AKSHAT SARASWAT हो गया है। अत: अब मुझे मेरे इसी नए नाम AKSHAT SARASWAT से ही जाना व पहचाना जाए।

ADDRESS ; WARD NO. 03, GRAM - POST : JAT GURADIYA, TEHSIL : SEONI MALWA, NARMADAPURAM, MADHYA PRADESH

न्यायालय तहसीलदार राजधानी परियोजना टी टी नगर भोपाल

(शेड नं. 06 बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल)

प्र.क्र. 0243/अ–6/26–27

::: ईश्तहार :::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स पंचतत्व द्वारा अधिकृत पार्टनर श्री अश्विन शर्मा पुत्र श्री चन्द्रहास शर्मा निवासी–हाउस नंबर–बी–67, ओरेंज बिल्डिंग, प्लेटिनम पार्क, माता मंदिर के पास भोपाल द्वारा ग्राम चन्दनपुरा स्थित खसरा नंबर 95/1/1/1/1/23 कुल रकबा 1.2100 हेक्टेयर का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकरण में 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
टी.टी नगर वृत्त भोपाल

आम सूचना नाम परिवर्तन

मैं, मधुसुदन शर्मा आ. श्री महेंद्र शर्मा आयु वयस्क, निवासी–29, मानसरोवर कॉलोनी, नियर बॉम्बे हॉस्पिटल, इंदौर, म.प्र. हूँ। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश दर्शनी शर्मा पुत्री श्री मधुसूदन शर्मा (DAARSHANI SHARMA D/O MADHUSUDAN SHARMA) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरी पुत्री का वास्तविक सही नाम दाक्षी शर्मा पुत्री श्री मधुसूदन शर्मा (DAAKSHI SHARMA D/O MADHUSUDAN SHARMA) है जो कि मेरी पुत्री के पासपोर्ट एवं शैक्षणिक दस्तावेजो में दर्ज होने से प्रमाणित है, जो कि मैं अपनी पुत्री के आधार कार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूँ। प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री का नाम दाक्षी शर्मा पुत्री श्री मधुसूदन शर्मा (DAAKSHI SHARMA D/O MADHUSUDAN SHARMA) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम
दार्शनी शर्मा पुत्री श्री मधुसुदन शर्मा
DAARSHANI SHARMA D/O MADHUSUDAN SHARMA)
नया नाम
दाक्षी शर्मा पुत्री श्री मधुसुदन शर्मा
(DAAKSHI SHARMA D/O MADHUSUDAN SHARMA)

कार्यालय नायव तहसीलदार वृत्त-02 बम्मनखिरिया तहसील मुंगावली जिला- अशोकनगर मप्र

क्रमांक/री.–02/2026/163
बम्मनखिरिया दिनांक– 10/09/2026

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक जमना बाई पत्नी संकर सिंह जाति लोधी निवासी ग्राम रूहाना तहसील मुंगावली जिला अशोकनगर म.प्र. के द्वारा तहसील मुंगावली के ग्राम रूहाना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 107/1, 108 रकवा क्रमशः 4.0540, 0.0100 हे. भूमि पर अपने काशीराम पुत्र हरचन्दा जाति लोधी निवासी ग्राम अस्पतखेडी तहसील मुंगावली जिला अशोकनगर मप्र दिनांक 10/04/1992 को फोत हो जाने से फोती नामांतरण किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकरण क्रमांक 0334/अ–6/2026–27 इस न्यायालय में प्रचलित है।

इसमें किसी भी हितग्राही को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति तहसील न्यायालय वृत्त–02 बम्मनखिरिया मुंगावली में उपस्थित होकर समाचार प्रकाशन दिनांक 22.09.2026 के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद अवधि समाप्ति के उपरांत प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

वही विज्ञप्ति पत्र आज दिनांक 10/09/2026 को मेरें हस्ताक्षर पत्र आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर यह मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील मुंगावली
जिला-अशोकनगर (म.प्र.)

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

लहारपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड/भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. 64 मण्डल द्वारा श्रीमती अनिता डोंगरे पत्नी श्री बसंत कुमार डोंगरे के नाम भाड़ाकय खरीद करार के आधार पर आवंटन आदेश क्र. 10924–25 दिनांक 28/10/1998 को आवंटित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 09/06/2015 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। केता/विकेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ–पत्र, संयुक्त शपथ–पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति सुश्री पूनम लोधी पुत्री श्री लोमस लोधी के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विकय विलेख दिनांक 11/03/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति सुश्री पूनम लोधी पुत्री श्री लोमस लोधी के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

पूर्वाचल परिसर अरविन्द विहार बागमुगालिया हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड/भवन क्रमांक डूप्लेक्स 02 मण्डल द्वारा श्री कमल देव सिंह आत्मज श्री कमलेश्वर सिंह के नाम पर आवंटित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 17/09/2019 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। श्री कमल देव सिंह आत्मज श्री कमलेश्वर सिंह की दिनांक 24/04/2023 को मृत्यु होने के उपरांत उनके पिता श्री कमलेश्वर सिंह आत्मज श्री कमलनाभ सिंह के द्वारा उक्त संपत्ति को अपने नाम पर नामान्तरण करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मूल आवंटी के अन्य वारिसों का अनापत्ति शपथ–पत्र, परिचय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मण्डल प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति श्री कमलेश्वर सिंह आत्मज श्री कमलनाभ सिंह के नाम से नामान्तरण हेतु प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो ता 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

अमरावती साउथ बाग सेवनिया हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल भूखण्ड / भवन क्रमांक 166 एम.आई.जी. डीलक्स–बी मण्डल द्वारा सुश्री सीमा जोशी पुत्री श्री एस.वी. जोशी के नाम पर हस्तान्तरण आदेश क्र. 28–33 दिनांक 03/01/2011 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 21/10/2010 को उप पंजीयक कार्यालय से पंजीकृत है। केता/विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ–पत्र, संयुक्त शपथ–पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री कपिल परमार आत्मज श्री लक्ष्मीनारायण परमार के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विकय विलेख दिनांक 12/03/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्री कपिल परमार आत्मज श्री लक्ष्मीनारायण परमार के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

लहारपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बागमुगलिया भोपाल भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. 83 मण्डल द्वारा श्रीमती पापिया पोद्दार पत्नी श्री संजीत पोद्दार के नाम हस्तान्तरण आदेश क्र. 1501–1504 दिनांक 18/06/2013 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30/03/2014 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। श्रीमती पापिया पोद्दार पत्नी श्री संजीतु पोद्दार (माता) की दिनांक 05/03/2021 को एवं श्री संजीत पोद्दार आत्मज श्री हरिपद पोद्दार (पिता) की दिनांक 28/12/2018 को मृत्यु होने के उपरांत उनकी पुत्री श्रीमती अनुश्री पटेल पत्नी श्री प्रवीण पटेल के नाम पर नामान्तरण आदेश क्र. 5817 दिनांक 16/08/2023 को नामान्तरित किया गया है। केता/विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ–पत्र, संयुक्त शपथ–पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती मीनू साहू पत्नी श्री दिलीप कुमार साहू के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 07/07/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती मीनू साहू पत्नी श्री दिलीप कुमार साहू के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी विदिशा में भूखण्ड/ भवन एल.आई.जी.-II बी/168 मण्डल द्वारा श्री प्यारेलाल आत्मज श्री गंनपत सिंह के नाम भाड़ाकय खरीद करार अनुबंध दिनांक 08/09/1999 को निष्पादित कर भाड़ाकय खरीद आवंटन आदेश क्र. 1180–83 दिनांक 16/07/1999 को आवंटित किया गया है। श्री प्यारेलाल द्वारा उक्त संपत्ति श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा आत्मज स्व. श्री हरीशंकर शर्मा को नोटीरीकृत विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 15/11/1999 को निष्पादितं कर विक्रय कर दिया गया है। श्री प्यारेलाल आत्मज श्री गनपत सिंह की दिनांक 08/09/2015 को मृत्यु होने के उपरांत श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा उक्त संपत्ति को अपने नाम पर हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मूल आवंटी की पत्नी श्रीमती सीमादेवी पत्नी स्व. श्री प्यारेलाल का अनापत्ति शपथ–पत्र, परिचय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मण्डल प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए है एवं उक्त संपत्ति का नोटीरीकृत विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 15/11/1999 के आधार पर केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा आत्मज स्व. श्री हरीशंकर शर्मा के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी विदिशा में भूखण्ड / भवन ई.डब्ल्यू.एस. सी/236 मण्डल द्वारा श्रीमती मीना बाई पत्नी श्री खिलान सिंह के नाम भाड़ाकय खरीद करार अनुबंध दिनांक 28/08/1995 को निष्पादित कर भाड़ाकय खरीद आवंटन आदेश क्र. 1756–60 दिनांक 09/08/1995 को आवंटित किया गया है। श्रीमती मीना बाई द्वारा उक्त संपत्ति श्री लल्लूलाल अहिरवार आत्मज स्व. श्री देवीराम अहिरवार को उप पंजीयक कार्यालय से पंजीकृत विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 03/08/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। केता / विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ–पत्र, संयुक्त शपथ–पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री लल्लूलाल अहिरवार आत्मज स्व. श्री देवीराम अहिरवार के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय अनुबंध पत्र दिनांक 03/08/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्री लल्लूलाल अहिरवार आत्मज स्व. श्री देवीराम अहिरवार के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी/या. किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार वृत्त-2, तहसील हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 4323/अ–6/26–27
ग्राम–बाटखेडी प.ह.न. 29
दिनांक 11/09/2026

::: ईश्तहार :::

सर्वसाधरण विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक मीराबाई साहु पत्नी जवाहरलाल निवासी – शिवशक्ति नगर, भोपाल, म.प्र. म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दस्तावेज क्रमांक एमपी059712024ए1483804 दिनांक 19.04. 2024 के आधार पर क्रय की गई भूमि खसरा क्रमांक 173/1 में से अंश भाग रकबा 611 वर्गफिट भूमि स्थित ग्राम घाटखेडी प.ह.न. 29 तहसील हुजूर, जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ, रजिस्टर्ड विक्रेता पत्र की छायाप्रति एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। जिसका प्रकरण न्यायालय ने विचारधीन है।

उक्त संबध में किसी व्यक्ति /संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वय अथवा अपने अभिभाषक के माध्याम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। प्रकरण मे आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 05/10/2026 नियत है।

उक्त उद्घोषणा मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 11/09/2026 को जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत्त-1, तहसील-हुजूर, जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक – 4919/अ–6/25–26
मौजा – कलाखेड़ी तहसील हुजूर, भोपाल

:: उद्घोषणा पत्र ::

सर्व साधारण आवेदक श्रीमति नसरीन अहमद पत्नी श्री अनीस खान निवासी– 13 कुम्हारपूरा रोड, ओल्ड गल्ला बाजा, शाहजहांनाबाद, भोपाल (म.प्र) ने म.प्र.भू–रा.संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दस्तावेज के एम पी 43 आरजीआई 16022025ए 100928761 दिनांक 14.10.025 आधार पर क्रय की गई भूमि स्थित ग्राम कलाखेड़ी तहसील हुजूर स्थित भूमि खसरा क्रमांक– 27/2, 28, 29, 30, 31, 33, कुल रकबा 2.411 हे. भूमि का नामान्तरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम पर किए जाने का अनुरोध किया है। उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण मे नियत पेशी दिनांक 29.09.2026 को या इस से पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समया वधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 15.09.2026 को जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील-हुजूर, भोपाल

समस्या बताने आए ग्रामीणों से बीच में छीना माइक, जनविश्वास शिविर से उठा जनता का विश्वास

नाराजगी के बीच एसीएस ने छोड़ा मंच

आगर मालवा। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत ग्रामीणों की समस्याएं सुनने और उनका निराकरण करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम कराडिया में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उस समय स्थिति असहज हो गई, जब अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखने पहुंचे ग्रामीणों से बीच में ही माइक ले लिया गया। पहले ग्रामीण पीरूलाल यादव और बाद में प्रेम यादव अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रख रहे थे। दोनों ग्रामीणों की शिकायत पूरी होने के दौरान माइक ले लिया गया। इस घटनाक्रम के बाद ग्रामीणों में नाराजगी दिखाई दी और इसी बीच एसीएस संजय दुबे मंच से चले गए। शिविर में एसीएस संजय दुबे के साथ कलेक्टर डॉ. शेरसिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, विधायक मधु गहलोत, भाजपा जिला अध्यक्ष ओम मालवीय सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका यथासंभव मौके पर निराकरण करना बताया गया था।

पीरूलाल यादव ने रखीं गांव की मूलभूत समस्याएं: शिविर में ग्रामीण पीरूलाल यादव ने माइक लेकर अपनी बात अधिकारियों के सामने रखनी शुरू की। उन्होंने गांव में शौचालय की समस्या के साथ सड़क, नाली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। पीरूलाल अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष बता ही रहे थे कि इसी दौरान उनसे माइक ले लिया गया। इससे मौके पर मौजूद ग्रामीणों के बीच नाराजगी का माहौल दिखाई दिया।

बिजली की शिकायत लेकर पहुंचे प्रेम यादव: इसके बाद ग्रामीण प्रेम यादव ने बिजली से संबंधित अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखना शुरू किया। वे अपनी बात रख रहे थे, इसी दौरान उनका भी माइक ले लिया गया। एक के बाद एक दो ग्रामीणों से माइक लिए जाने के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों की नाराजगी और स्पष्ट दिखाई देने लगी। शिविर में कुछ समय के लिए माहौल असहज हो गया।

ग्रामीणों की नाराजगी के बीच एसीएस ने छोड़ा मंच: ग्रामीणों की नाराजगी के बीच एसीएस संजय दुबे कार्यक्रम के दौरान ही मंच से चले गए। इसके बाद शिविर की कार्यवाही आगे जारी रही।

जनविश्वास शिविर की व्यवस्था पर उठे सवाल: जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और संबंधित विभागों के माध्यम से उनका समाधान करना है। ऐसे में शिकायत रखने के दौरान ग्रामीणों से माइक लिए जाने की स्थिति ने शिविर की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याएं सड़क, नाली, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी हैं। ऐसे मामलों में ग्रामीणों की शिकायत सुनकर संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश देना शिविर की मूल भावना मानी जाती है। कराडिया के घटनाक्रम के बाद अब सवाल यह है कि जनसमस्या निवारण के लिए आयोजित शिविर में क्या शिकायतकर्ता को अपनी बात पूरी और स्पष्ट रूप से रखने का पर्याप्त अवसर मिला? साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि पीरूलाल यादव, प्रेम यादव और अन्य ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है और उनका समाधान कब तक होता है। क्योंकि जनविश्वास केवल शिविर आयोजित करने से नहीं, बल्कि जनता की बात सुनने और उसकी समस्या के समाधान से कायम होता है।

मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

जुलाई से अब तक 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड

सिवनी। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। जुलाई 2026 से अब तक अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर कुल 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसके साथ ही दूध एवं विभिन्न खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दूध विक्रेताओं, डेयरी यूनिटों एवं विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया एवं स्वच्छता की स्थिति की जांच की जा रही है। इसी क्रम में 08 सितंबर 2026 को अभिहित अधिकारी डॉ. पंकज दुबे द्वारा इंडियन कॉफी हाउस की किचिन एवं भोजन निर्माण में उपयोग की जा रही खाद्य सामग्री का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान द्वारा की जा रही सुधारात्मक कार्यवाही पर संतुष्टि व्यक्त की गई। इसी दिन कहानी स्थित सोनू दूध डेयरी, घंसौर से भैंस के दूध

का नमूना लिया गया। बालाजी होटल से नमकीन, सेव पोहा एवं मैदा के नमूने भी जांच के लिए लिए गए।

09 सितंबर 2026 को आर.वी. दूध संकलन केंद्र, अरी में रैपिड टेस्टिंग किट की सहायता से दूध के नमूनों का मौके पर ही परीक्षण किया गया। परीक्षण में दूध मानक स्तर का पाया गया। इसके अतिरिक्त अरी-बरघाट स्थित आशीष किराना से पान पराग पान मसाला, पटेल किराना स्टोर से मूंगफली एवं मिक्स नमकीन तथा नीरज किराना स्टोर से सूजी एवं तुअर दाल के नमूने लिए गए। इन नमूनों को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई के क्रम में जुलाई 2026 से अब तक अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर कुल 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इनमें साई प्रसाद टाइगर रिसोर्ट पर अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण किए जाने पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

हीरालाल सूर्यवंशी, भटेखारी किराना स्टोर तथा पवन शिवहरे, धूमा द्वारा बिना पंजीयन खाद्य कारोबार किए जाने पर दोनों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। मनोहर अमृत तुल्य चाय, सिवनी पर अवमानक खाद्य सामग्री के विक्रय के मामले में 10 हजार रुपये तथा अभिषेक बघेल द्वारा गुटखा विक्रय किए जाने पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। इसी प्रकार किशोरी लाल यादव, दूध विक्रेता, पुनवारा लखनादौन पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सिवनी ने बताया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है। दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच के लिए रैपिड टेस्टिंग किट से मौके पर परीक्षण के साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में भी जांच कराई जा रही है। खाद्य पदार्थों में मिलावट, अवमानक सामग्री के विक्रय, अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण तथा बिना पंजीयन खाद्य कारोबार करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

भाजपा जिला बैठक संपन्न कल आएंगे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

आगर मालवा। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, विधायक मधु गेहलोत, गोविंद सिंह बरखेडी, चिंतामण राठौर, बाबुलाल यादव, भैरुसिंह चौहान आदि मंचासीन उपस्थित थे। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 13 सितंबर को आगर आ रहे हैं। जो मुख्यमंत्री लाडली बहिनें का सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जिले के प्रस्तावित प्रवास को लेकर जनप्रतिनिधि, मोर्चा जिलाध्यक्षों, मंडल प्रभारियों, मंडल अध्यक्षों एवं सभी जिला पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री यादव के आगमन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिनेश परमार, साक्षी सकलेचा, मोहनलाल कटारा, प्रवेश गुप्ता, सहित जिला पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष गण उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी महेश शर्मा तनोडिया ने दी।

हाईवे व ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल चोरी पर पुलिस का शिकंजा

तीन आरोपी गिरफ्तार, 410 लीटर डीजल सहित चोरी में प्रयुक्त सामग्री जब्त

मंडला। जिले में हाईवे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मंडला पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना कोतवाली एवं थाना नैनपुर पुलिस ने डीजल चोरी के अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान करीब 410 लीटर डीजल, आठ केन, मोटरसाइकिल एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है।

कोतवाली पुलिस ने 410 लीटर डीजल किया बरामद: हाईवे पर डीजल चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस ने आयुष यादव (18), निवासी पिपरपानी तथा कान्हा भावरे (19), निवासी पिपरपानी, दोनों थाना महाराजपुर क्षेत्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं विवेचना के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 410 लीटर चोरी का डीजल, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपये है, नीले रंग की आठ केनों में बरामद कर जब्त किया गया। मामले में अन्य आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाकर उसकी तलाश एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर से डीजल चोरी के प्रयास में आरोपी गिरफ्तार: इधर, थाना नैनपुर पुलिस ने ग्राम बन्धा में ट्रैक्टर से डीजल चोरी के प्रयास के मामले में दुर्गेश कुमार (22), निवासी ग्राम छिछरी, थाना खटिया को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध थाना नैनपुर के अन्य प्रकरण में गिरफ्तारी वारंट भी लंबित था। आरोपी के कब्जे से मोटरसाइकिल एवं 20 लीटर की तेल की केन जब्त की गई। शिकायतकर्ता हरिशचंद पटेल की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना की गई। आरोपी को 10 सितंबर को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान, थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन, सहायक उप निरीक्षक माया राम धुर्वे, जगदीश सेयाम, भूमेश्वर वामनकर, प्रधान आरक्षक श्यामलाल, राजन मरावी तथा आरक्षक रमेश, प्रियांश एवं मृदुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

267 करोड़ के मेडिकल कॉलेज की धीमी रफ्तार पर मुख्य सचिव मुख्य सचिव ने दिए कार्य में तेजी के निर्देश

समय जगत, धार। धार में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के काम की धीमी गति पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के तहत मेडिकल कॉलेज निर्माण स्थल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति और पूरी कार्ययोजना की जानकारी ली। निर्माण कार्य अपेक्षित गति से शुरू नहीं होने पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए।अ गौरतलब है कि 25 एकड़ भूमि पर करीब 267 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज परिसर को पांच ब्लॉकों में विकसित किया जाएगा। इसमें छह मंजिला कॉलेज भवन, सात मंजिला अस्पताल तथा नौ मंजिला हॉस्टल एवं स्टाफ क्वार्टर का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हों, ताकि धार के मेडिकल कॉलेज की यह महत्वपूर्ण परियोजना समय-सीमा में पूरी हो सके।

शिक्षकों की अनूठी पहल, स्थानीय बच्चों को भेंट की रेंजर साइकिल

समय जगत, सिलवानी। विकास खंड सिलवानी संकुल (कस्बा बम्होरी) के ग्राम प्रतापगढ़ माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षकों ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए ग्राम के स्थानीय बच्चों को साइकिल चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उद्देश्य से एक रेंजर साइकिल भेंट की। शिक्षकों ने बताया कि प्रदेश सरकार की साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत उन विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की जाती है, जो अन्य ग्रामों से विद्यालय आते हैं। वहीं, स्थानीय ग्राम के विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता। इसी कमी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सामूहिक सहयोग से एक रेंजर साइकिल खरीदकर ग्राम के बच्चों को भेंट की, ताकि वे भी साइकिल चलाना सीख सकें और भविष्य में इस कौशल का लाभ उठा सकें। शिक्षकों की इस सराहनीय पहल की ग्रामवासियों एवं अभिभावकों ने प्रशंसा करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रेरणादायी कदम बताया।

पंचायतों में गंभीर गड़बड़ी पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मुरैना। जिले में पंचायतों में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, वित्तीय अनियमितता, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी एवं शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामलों में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर 5 पंचायत सचिवों को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री सहित अन्य संबंधितों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त जांच एवं प्रतिवेदनों में ग्राम पंचायत इमलिया, शहदपुर, अगरोता, रंछोरपुरा, भदावली, बर्रेण्ड, ऐसाह एवं टिकटोली दूमदार सहित अन्य पंचायतों में अनियमितताएं सामने आने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई का उद्देश्य पंचायतों में वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। ग्राम पंचायत इमलिया में मृतक के जॉब कार्ड एवं पारिवारिक सदस्यों की पुष्टि किए बिना राशि का भुगतान किए जाने की वित्तीय अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन ग्राम रोजगार सहायक श्रीमती मधु रामपुरे तथा ग्राम रोजगार सहायक एवं प्रभारी पंचायत सचिव आदिराम मावई को शासकीय कार्य से विरत किया गया है। इसी प्रकरण में सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी राकेश बघेल के विरुद्ध अनियमित भुगतान एवं अपूर्ण निर्माण कार्यों के संबंध में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 40 के तहत कार्रवाई की गई है। ग्राम पंचायत शहदपुर में मृत व्यक्ति के जॉब कार्ड पर डिमांड डालने, निर्माण कार्यों में अनियमितता तथा निर्माण कार्यों के नाम पर राशि आहरण के आरोप में ग्राम रोजगार सहायक श्री विनोद कुमार को शासकीय कार्य से विरत किया गया है। ग्राम पंचायत बर्रेण्ड एवं वर्तमान ग्राम पंचायत हुसेनपुर में बिना निर्माण कार्य कराए राशि आहरण किए जाने के मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव महेश चन्द्र जाटव को निलंबित किया गया है।

सख्त ऐक्शन के तहत 5 पंचायत सचिव निलंबित

मुरैना पुलिस की बड़ी सफलता, सीईआईआर पोर्टल की मदद से 401 गुम मोबाइल बरामद

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुरूप और माननीय मुख्यमंत्री महोदय के 'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के तहत मुरैना पुलिस ने जनहित में एक बेहद सराहनीय और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के मार्गदर्शन में साइबर सेल और जिले के विभिन्न थानों की संयुक्त टीम ने पिछले 4 महीनों में कड़े प्रयास करते हुए 401 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इन बरामद किए गए मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 95 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिलेभर से प्राप्त गुम मोबाइल आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल और थाना टीमों ने ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल का प्रभावी उपयोग किया। तकनीकी दक्षता और सटीक स्थानीय आसूचना के आधार पर मुरैना के अलावा ग्वालियर, धौलपुर, आगरा, गुना, शिवपुरी व अन्य क्षेत्रों से इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। बरामद किए गए मोबाइलों को मुरैना पुलिस कंट्रोल रूम में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सत्यापन के बाद वापस सौंपा गया। अपनी खोई हुई संपत्ति वापस मिलने पर छात्र-छात्राओं, मजदूरों, किसानों, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और गृहणियों सहित विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पुलिस महानिदेशक और मुरैना पुलिस के प्रति गहरा आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

पुलिस ने जुए के फड पर मारा छापा, पांच जुआरी गिरफ्तार

मुरैना। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा के निर्देश पर जिले में जुआरियों और सटोरियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जौरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुए के फड़ पर छापा मारकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से करीब 21,000 नकद और ताश की एक गड्डी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार 10 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के सांकरा चौराहे के पास एक खेत में बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 399/26 के तहत जुआ एक्ट की धारा 13 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पंकज यादव सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 2 लाख कीमत की 2 भैंसें की गईं बरामद

पुलिस ने किया पशु चोरी की घटना का खुलासा

समय जगत, मुरैना। जिले में चोरी, नकबजनी और पशुधन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुरैना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में थाना सिविल लाईन पुलिस ने चोरी गए पशुधन को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 सितंबर 2025 को फरियादी ऋषिकेश सिंह पुत्र रमेशचन्द्र प्रजापति ने थाना सिविल लाईन में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के पीछे बने बाड़े में बंधी भैंसों को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्र. 413/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया था। पुलिस की सतत् एवं प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप दिनांक 11 सितंबर 2026 को थाना सिविल लाईन पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने धनेला गांव के पास जंगल से चोरी की गई 2 भैंसें (कीमती करीब दो लाख) बरामद कर लीं और उन्हें फरियादी के सुपुर्द कर दिया। इस प्रकरण में वांछित अन्य आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए पुलिस के प्रयास जारी हैं।

जब्त मसरूका का विवरण: प्रकरण क्रमांक 413/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत थाना सिविल लाईन क्षेत्र से कुल 02 भैंसें (कीमती लगभग 2 लाख) बरामद की गई।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

समय जगत, लटेरी। पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम यातायात व्यवस्था सुधारने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लेटेरी आरी घाटी के पास में सघन चेकिंग अभियान चलाया, प्रभारी महोदय एवं थाना स्टाफ द्वारा शासन-प्रशासन के दिशा-निर्देशों के पालन में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। वाहन चेकिंग के दौरान कुल 24 चालान बनाए गए। चालानों से समन शुल्क 7600 रु. प्राप्त किया गया। वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट एवं अन्य यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने हेतु जागरूक किया गया।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड एवं निर्यात प्रोत्साहन समिति की हुई बैठक

उद्योग प्रतिनिधियों से कलेक्टर ने किया संवाद

समय जगत, पन्ना। पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में गत बुधवार को सायं कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड एवं निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र पन्ना के तत्वाधान में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में नव उद्यमियों सहित जिले के उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस मौके पर शासन की नवीन उद्योग नीति के मुताबिक पन्ना जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी, नवीन उद्यमों को सहूलियत प्रदान करने और प्रत्येक स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण के दृष्टिगत सार्थक संवाद किया गया। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि नवीन उद्यम स्थापना के इच्छुक व्यक्तियों को प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में जिले में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के विकास, उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण सहित स्थानीय

उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा जिले से निर्यात को बढ़ावा देने से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। साथ ही उत्पादों और अपने उद्यमों से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। बैठक में लघु उद्योग भारती, फर्नीचर एसोसिएशन, कैट, लघु उद्योग संघ, व्यापार मंडल, विभिन्न व्यापार समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य, जिले के गणमान्य उद्यमी एवं व्यवसायी उपस्थित रहे। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा उद्योगों के विकास एवं निर्यात संवर्धन के लिए संचालित योजनाओं एवं प्रयासों की जानकारी भी दी गई। इस बैठक में उद्यमियों द्वारा उठाए गए विषयों पर आवश्यक कार्यवाही एवं संबंधित विभागों के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कैट जिलाध्यक्ष मनोज केशरवानी द्वारा बड़ागांव औद्योगिक क्षेत्र में पन्ना के उद्यमियों को प्राथमिकता देने का मुद्दा उठाया जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा पन्ना के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित होने वाले उद्यम संवाद को लेकर भी सार्थक विचार विमर्श हुआ। आगामी जनवरी माह में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की महत्वपूर्ण जानकारी से भी उपस्थितजनों को अवगत कराया गया। जिला कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य पर एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के तहत एवं उत्कृष्ट नवाचार व स्टार्टअप पर प्रमाण पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितलाभ का वितरण भी किया गया।

गर्भवती महिलाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

दमोह, समय जगत। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को समय पर विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं, आवश्यक जांच एवं उचित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले में विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक आयोजित किए गए। अभियान के तहत 471 गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर चिकित्सक एवं सीएचओ द्वारा क्षेत्र में पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच के

साथ ही सप्ताह के दौरान चिन्हित नई गर्भवती महिलाओं की भी जांच की गई। जांच के दौरान गर्भावस्था में संभावित उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार, परामर्श एवं उचित स्वास्थ्य संस्थान पर रेफरल की सुविधा उपलब्ध कराई गई। आगामी सप्ताह में संभावित प्रसव तिथि ईडीडी वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच भी की गई जिससे प्रसव के पूर्व आवश्यक तैयारियां एवं समय पर चिकित्सकीय सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। गर्भवती महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर पौष्टिक स्वल्पाहार, पृथक पंजीयन काउंटर, पर्याप्त बैठक व्यवस्था एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पीएमएसएमए के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर गर्भवती महिला की समय पर जांच हो जोखिम की समय रहते पहचान हो और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उपचार एवं विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हों। सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ मां-बच्चे के लिए नियमित प्रसवपूर्व जांच को अभियान का प्रमुख आधार बनाया गया है। अभियान के अंतर्गत सिविल अस्पताल हटा में डॉ. भूमिजा राजपूत, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में डॉ. प्रियंका छाबड़ा, पटेरा में डॉ. गीतांजलि सिद्दम, तेन्दूखेड़ा में डॉ. कुलदीप अजमानी तथा हिण्डोरिया में डॉ ज्योति दुबे ने विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए गर्भवती महिलाओं की जांचए उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया।

संक्षिप्त समाचार

दस्तक अभियान के तहत विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पोषण का संदेश

दमोह, समय जगत। दस्तक अभियान के अंतर्गत हाथ धोने के महत्वए स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीम द्वारा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से दमोह जिले के विभिन्न ब्लॉकों के माध्यमिक विद्यालयों में जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। गतिविधि के दौरान चित्र कार्ड के माध्यम से कहानी एवं संवादात्मक प्रस्तुतीकरण के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमुख स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संदेश प्रभावी रूप से प्रदान किए गए। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ता द्वारा घोल तैयार करने की विधि तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा हाथ धोने की सही एवं निर्धारित प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

चंबल के बीहड़ों में 14 को लगेगा माता पार्वती का एक दिवसीय मेला

समय जगत, श्योपुर। चंबल के बीहड़ों में विराजमान मां पार्वती के मंदिर पर 14 सितंबर, सोमवार को एक दिवसीय धार्मिक मेला लगेगा। भादौ अमावस्या के बाद पहले सोमवार को होने वाले इस मेले में रघुनाथपुर सहित श्यामपुर, नदीगांव, घूघस, ओछापुरा, हीरापुरा और ढोढर क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे। ग्राम पंचायत जमूदी ने मेले को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेले में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगेगी। लोग मां पार्वती के दर्शन कर पूजा-अर्चना और मन्नतें मांगेंगे। मेले की सबसे खास परंपरा सूर्यास्त से जुड़ी है। शाम ढलने से पहले श्रद्धालु और दुकानदार मंदिर परिसर छोड़कर लौट जाते हैं। सूर्यास्त के बाद मंदिर परिसर पूरी तरह खाली हो जाता है और रात में किसी व्यक्ति के रुकने की अनुमति नहीं रहती। ग्रामीणों के अनुसार मेले में कुंवारी कन्याओं द्वारा मां पार्वती का श्रृंगार करने की भी पुरानी परंपरा है। मान्यता है कि माता का श्रृंगार कर पूजा करने से विवाह की मनोकामना पूरी होती है।

अवैध रेत खनन एवं परिवहन की शिकायत के लिए अब क्यूआर कोड हुआ जारी

समय जगत, श्योपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में राष्ट्रीय चंबल घडियाल अभ्यारण क्षेत्र में अवैध रेत खनन, परिवहन, शिकार, अतिक्रमण तथा अन्य पर्यावरणीय अपराधों और गतिविधियों की सूचना क्यूआर कोड के माध्यम से प्रदान की जा सकती है। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा राजेश कुमार गगेंले ने बताया कि वन विभाग द्वारा राष्ट्रीय चंबल घडियाल अभ्यारण क्षेत्र में अवैध रेत खनन से संबंधित गतिविधियों तथा अवैध रेत परिवहन, शिकार, अतिक्रमण आदि की सूचना के लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है। इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक उक्त संबंध में सूचना प्रदान कर सकते है। इसके माध्यम से अवैध रेत खनन, अवैध रेत परिवहन, वन्य जीव शिकार, अतिक्रमण एवं अन्य पर्यावरणीय अपराधों की सूचना आवश्यकतानुसार फोटो, वीडियों एवं जीयो टेग इंर्फोमेशन सहित उपलब्ध कराई जा सकती है।

रेत के स्टॉक में भारी गड़बड़ी पर कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई

विस्टा सेल्स पर 21.79 करोड़ की शास्ति अधिरोपित

सेंड पोर्टल और मौके के स्टॉक में 1.16 लाख घनमीटर से अधिक का अंतर
वैध परिवहन के दस्तावेज नहीं दे सका फर्म संचालक

समय जगत, कटनी। खनिज रेत के भंडारण और परिवहन में अनियमितता के मामले में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पर 21 करोड़ 79 लाख 77 हजार 525 रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। यह कार्रवाई सेंड पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और मौके पर भौतिक सत्यापन में मिले रेत स्टॉक के बीच 1 लाख 16 हजार 254.68 घनमीटर के अंतर के आधार पर की गई। प्रकरण के अनुसार 1 अक्टूबर 2023 तहसील बड़वारा के ग्राम गुड़ाकला के खसरा क्रमांक 137, 200 रकबा 1.65 हेक्टेयर स्थित मेसर्स विस्टा सेल्स के खनिज व्यापारी अनुज्ञप्ति स्थल का खनिज निरीक्षक द्वारा निरीक्षण किया गया। भौतिक सत्यापन में मौके पर करीब 1,990 घनमीटर रेत मिली, जबकि 30 सितंबर 2023 की रात तक सेंड पोर्टल पर 1 लाख 18 हजार 244.68 घनमीटर स्टॉक दर्ज था। इस तरह 1 लाख 16 हजार 254.68 घनमीटर रेत स्टॉक का अंतर पाया गया। कलेक्टर न्यायालय में सुनवाई करते हुये कलेक्टर श्री तिवारी के समक्ष विस्टा सेल्स की ओर से मापन प्रक्रिया और अवैध परिवहन के प्रत्यक्ष प्रमाण पर सवाल प्रत्यक्ष प्रमाण पर बचाव पक्ष ने कहा कि निरीक्षण के दौरान किसी वाहन की जब्ती या विशिष्ट अवैध परिवहन का साक्ष्य नहीं पाया गया है। इस पर प्रकरण की सुनवाई के दौरान कलेक्टर न्यायालय ने कहा कि निरीक्षण से पहले परिवहन होने की स्थिति में मौके पर वाहन की जब्ती आवश्यक नहीं है। पोर्टल और भौतिक सत्यापन के बीच पाया गया। न्यायालय के समक्ष विस्टा प्रा. लिम. फर्म द्वारा इतनी बड़ी मात्रा के रेत स्टॉक अंतर का कोई विश्वसनीय एवं विधिसम्मत दस्तावेजी स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसी आधार पर उपलब्ध अभिलेखों और साक्ष्यों के आधार पर कलेक्टर श्री तिवारी ने 1 लाख 16 हजार 254.68 घनमीटर रेत पर 125 रुपये प्रति घनमीटर की रॉयल्टी के अनुसार 1 करोड़ 45 लाख 31 हजार 835 रूपये की रायल्टी का 15 गुना 21 करोड 79 लाख 77 हजार 525 रुपये की अर्थशास्ति अधिरोपित किया है। साथ ही अधिरोपित शास्ति जमा करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम 19 के तहत बिना अभिवहन पास खनिज परिवहन पर रॉयल्टी की 15 गुना अर्थशास्ति का प्रावधान है।

आदर्श ग्राम पंचायत शाहनगर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

समय जगत, पन्ना। प्रदेश में सर्वाधिक आय अर्जित करने वाली ग्राम पंचायत शाह नगर का कलेक्टर उषा परमार ने निरीक्षण किया , ग्राम पंचायत में हुए निर्माण कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं सरपंच मनोज जैन व सचिव तथा स्टाफ को बधाई दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत द्वारा संचालित महिला हितैषी योजनाओं - गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण आहार वितरण, बालिका के जन्म पर किट वितरण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत संचालित बर्तन बैंक सहित पंचायत भवन के सामने स्वछंन्द वातावरण में बने गार्डन का अवलोकन कर अन्य नवाचारों की सराहना की। कलेक्टर ने शाहनगर ग्राम पंचायत द्वारा वर्तमान में मध्यप्रदेश में सबसे अधिक आय अर्जित कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सरपंच मनोज जैन, सचिव एडवोकेट कुलभूषण चतुर्वेदी रोजगार सहायक राघवेन्द्र सिंह सहित समस्त पंचायत अमले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से जिले की अन्य किसी भी पंचायत मे ऐसे नवाचार नही है जो शाहनगर पंचायत मे देखे गये निश्चित ही शाहनगर की पंचायत के अनुसार ही अन्य जिलों की पंचायतो को ऐसी कार्य करना चाहिए, ताकी पंचायतें आत्मनिर्भर बन कर अपनी पंचायतों के रहवासियों को रोजगार देने मे सदैव मददगार साबित हों।

मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान कई वाहनों के बने चालान

विदिशा, समय जगत। गुरुवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र में न्यायालय के पास मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस द्वारा वाहनों को रोककर न्यायालय परिसर में भेजा गया, जहां मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वाहनों के दस्तावेजों की जांच-पड़ताल की गई। मजिस्ट्रेट चेकिंग में सीजेएम रमाकांत भारके, जेएमएफसी शिवांगी सिंह और जेएमएफसी दीक्षा राठौर मौजूद रहीं। चेकिंग की कार्रवाई शाम 4.30 बजे से 6 बजे तक चली। इस दौरान यातायात पुलिस और सिविल लाइन पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान कुल 120 वाहनों पर कार्रवाई की गई। इनमें से 15 वाहन चालकों के विरुद्ध मौके पर कार्रवाई करते हुए कुल 4500 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया, जबकि 105 वाहन चालकों को आगामी लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। वाहन चालकों के दस्तावेजों में कमी, यातायात नियमों का उल्लंघन सहित अन्य मामलों की जांच की गई। जांच के दौरान मोटर साइकिल पर तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने वाले लोगों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को रोककर उनके खिलाफ नियमानुसार चालान बनाए। वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, निर्धारित क्षमता के अनुसार सवारी बैठाने और यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान स्कूल और कॉलेज की बसों को भी जांच के दायरे में लिया गया। बसों के आवश्यक दस्तावेजों सहित अन्य निर्धारित मापदंडों की जांच की गई। संबंधित बस चालकों और संचालकों को विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। मजिस्ट्रेट चेकिंग की जानकारी लगने के बाद कुछ वाहन चालक कार्रवाई से बचने के लिए मुख्य मार्ग से न जाकर आसपास की गलियों से अपने वाहन निकालते हुए नजर आए। वहीं न्यायालय परिसर में जांच के लिए बड़ी संख्या में वाहन पहुंचने के कारण कुछ समय तक वाहनों की कतार लगी रही। न्यायालय द्वारा समय-समय पर इस तरह की मजिस्ट्रेट चेकिंग की जाती है।

इटारसी में फरारी काट रहा था हत्या का आरोपी , पांच साल बाद रीठी पुलिस ने किया गिरफ्तार

समय जगत, कटनी। पिछले पांच साल से हत्या के मामले में फरार आरोपी को रीठी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रीठी थाना प्रभारी मोम्हमद शाहिद ने बताया कि 2 फरवरी 2022 को चरसलाल पारधी पिता रामरस पारधी निवासी ललितपुर बूढ़ा की मौत हो गई थी। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी जोनस लाल पारधी, रूलबाबू पारधी एवं चंसूर उर्फ बिस्किटलाल पारधी द्वारा लोहे की रॉड एवं बरछी से मारपीट कर चरसलाल पारधी की हत्या कर दी गई थी। घटना के दौरान बीच बचाव करने आए अजूबा पारधी एवं टन्नी पारधी के साथ भी मारपीट की गई। घटना के संबंध में रीठी थाने में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस द्वारा लगातार उनकी तलाश एवं संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। आरोपी पारधी समुदाय से होने के कारण एक स्थान पर स्थायी रूप से निवास नहीं करते थे,

जिसके चलते उनकी गिरफ्तारी में कठिनाई आ रही थी। काफी प्रयासों के बावजूद आरोपियों के नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध माननीय न्यायालय में फरारी चालान प्रस्तुत किया गया। रीठी पुलिस द्वारा लगातार फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि हत्या के प्रकरण में फरार आरोपी रूलबाबू पारधी वर्तमान में इटारसी जिला नर्मदापुरम में मौजूद है। सूचना की तस्दीक कर पुलिस टीम को तत्काल इटारसी रवाना किया गया। टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी रूलबाबू पारधी को इटारसी रेलवे स्टेशन के पास से 5 वर्ष बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी पर वैधानिक कार्रवाई कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

छिमछिमा हनुमान मंदिर पर आज लगेगा मेला, दर्शन करने पहुंचेंगे लाखों लोग

भजन, गीत-संगीत व विशाल भंडारे का होगा आयोजन

समय जगत, श्योपुर। विजयपुर तहसील क्षेत्र के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र छिमछिमा हनुमान मंदिर पर प्रति वर्ष लगने वाला छिमछिमा हनुमान मेला इस बार 12 सितंबर को लगेगा। इस मेले में भजन, संगीत, कीर्तन आदि प्रतियोगिताएं भी होगी, जिनमें बडी संख्या में संगीतप्रेमी भाग लेंगे। मंदिर पर बैराड़ सेवा समिति द्वारा विशाल भंडारा किया जाएगा। विजयपुर की सीमा पर स्थित छिमछिमा हनुमान मंदिर मेले में भंडारे का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है, जिसकी तैयारियां पूरी ली गई है। दिन भर चलने वाले भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने हजारों भक्तों का आना होता है, जिसे लेकर

संबंधितों को दायित्व सौंपे गए हैं। मेले में छिमछिमा हनुमान के दर्शन करने दूर-दराज के भक्तों का भी आना होता है,जिसके इंतजामात किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक भारत में जब मुगल साम्राज्य था, उस समय संत समर्थ गुरु ने जगह-जगह हनुमान प्रतिमाओं की स्थापना की। इसी के तहत विजयपुर से 9 किमी दूर घने जंगल में छिमछिमा हनुमान की स्थापना हुई। कहा जाता है कि 17वीं शताब्दी में जब औरंगजेब ने पूरे भारतवर्ष में मूर्ति और मंदिर तोडने का अभियान चलाया था, उस समय मुगल सेना यहां भी आई। हनुमान जी की कृपा से मंदिर के आसपास एक किलोमीटर के दायरे में चारों ओर की जमीन मोम की हो गई, जिससे औरंगजेब की सेना आगे नहीं बढ़ सकी। मान्यता है कि हनुमान जी ने प्रकट होकर सेना को अंधा कर दिया।

संवाद कार्यक्रम में युवाओं ने रखे श्योपुर के विकास पर विचार

समय जगत, श्योपुर। जेसीआई श्योपुर द्वारा जेसीआई वीक के अंतर्गत गुरुवार को 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को श्योपुर शहर की वर्तमान समस्याओं, राजनीति और भविष्य के श्योपुर को लेकर अपने विचार एवं समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि युवा नेता एवं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल तथा विशिष्ट अतिथि वैभव राठौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी युवाओं ने विभिन्न चरणों में श्योपुर की वर्तमान समस्याएं एवं उनके समाधान, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्योपुर की राजनीति तथा भविष्य का श्योपुर जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका संजय महाना एवं माया राजकुमार शर्मा ने निभाई।

महिला ने लगाया धमकी देने का आरोप आरोपी पर कठोर कार्रवाई करने की मांग को लेकर दिया आवेदन

विदिशा, समय जगत। गुरुवार को आनंदपुर थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम काछीखेड़ा निवासी एक परिवार कलेक्टोरेट पहुंचा और पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिया गया। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर को दोपहर करीब 11.30 बजे उनकी पत्नि घर पर अकेली थी और बच्चे पढ़ाई करने के लिए स्कूल गए हुए थे। इसी मौके का फायदा उठाकर कौशल पाटीदार उनके घर आए और दरवाजा लगाकर महिला के साथ छेड़छाड़ करते हुए जबरदस्ती करने लगे। इसी दौरान महिला द्वारा चिल्ला चोट की गई तो वह घर से भाग गए। महिला ने बताया कि उनके पति मजदूरी करने के लिए राजस्थान गए हुए थे और उनके बच्चे भी घर पर नहीं थे, इसी का फायदा उठाकर वह घर में घुस गए और उनके

साथ छेड़छाड़ की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत करने के लिए वह आनंदपुर थाने में गए थे, लेकिन वहां से उन्हें शमशाबाद थाना भेज दिया गया। जहां विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। महिला ने बताया कि आरोपी द्वारा उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की गई लेकिन चिल्ला चोट होने के कारण वह भाग गया। पुलिस द्वारा छोटी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आवेदन देकर पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस मामले की जांच कराई जाए और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस दौरान आरोपी द्वारा उन्हें डराया धमकाया जा रहा है और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष उनके साथ पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचे और मामले को गंभीरता से लेते हुए कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

सार-समाचार

पोला उत्सव देखने माता मंदिर में उमड़ा अपार जनसैलाब

समय जगत, आमला। सोमवारी चौक स्थित प्रसिद्ध माता मंदिर आमला में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पारंपरिक उत्सव पोला पर्व धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में किसान अपने बैलों को सजा-संवार कर यहां लेकर पहुँचे थे। गौरतलब है कि इस मौके पर माता मंदिर समिति आमला, नगर पालिका परिषद आमला एवं भारतीय किसान संघ आमला के संयुक्त तत्वावधान में तोरण प्रतियोगिता एवं उपहार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम पटेल वामन राव अम्बलेकर ने अपने परिजनों के साथ गौ-पूजा कर किया। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, नगर पालिका अध्यक्ष आमला नितिन गाडरे, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर ने भी गौ-पूजन कर किसान भाइयों को पोला पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर तोरण तोड़ने वाले किसान को पार्षद खुशबू विजय अतुलकर के सौजन्य से 2100 रुपये नगद राशि का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह सोलंकी, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर ने ग्राम पटेल वामन राव अम्बलेकर का शाल-श्रीफल भेंट कर स्वागत किया एवं उनके परिवार द्वारा जनहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। वहीं समिति द्वारा कृषकों की बैल जोड़ी का चयन उपरांत उन्हें क्रमशः पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी, पत्रकारगण और नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार माता मंदिर समिति अध्यक्ष मदन साहू ने व्यक्त किया।

धार में बैंक हड़ताल से थमा कामकाज, मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी

धार, समय जगत। देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल का असर शुक्रवार को धार में भी देखने को मिला। बैंक शाखाओं में कामकाज ठप रहा, जिससे बैंकिंग कार्यों के लिए पहुंचे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई शाखाओं के मुख्य द्वार बंद रहे और ग्राहक बैंक के बाहर से ही वापस लौटते नजर आए। हड़ताल के दौरान बैंक कर्मचारी और अधिकारियों ने रैली निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर यूनियनों और बैंक प्रबंधन के बीच बातचीत के बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं निकल सका, जिसके बाद हड़ताल का निर्णय लिया गया। हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच की ओर से किया गया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, पेंशन से जुड़े मुद्दों का समाधान और अन्य लंबित मांगों पर निर्णय शामिल हैं। इसके अलावा पीएलआई यानी प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन व्यवस्था में बदलाव, एनपीएस यानी नई पेंशन व्यवस्था से ओपीएस यानी पुरानी पेंशन व्यवस्था की ओर बदलाव, ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ाने और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के मेडिकल इंश्योरेंस जैसे मुद्दे भी मांगों में शामिल हैं। बैंक शाखाओं के बंद रहने से नकद जमा-निकासी, चेक संबंधी कार्य और अन्य शाखा आधारित सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि डिजिटल बैंकिंग के चलते एटीएम, यूपीआई, इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग के जरिए कई सामान्य लेनदेन जारी रहे। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगें सिर्फ कर्मचारियों के अधिकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने और पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने से भी जुड़ी हैं। अब हड़ताल के बाद सरकार, बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संगठनों के बीच होने वाली आगामी बातचीत पर सभी की नजर रहेगी। सवाल यही है कि बातचीत के जरिए लंबित मांगों का समाधान निकलता है या आने वाले दिनों में बैंक कर्मचारियों का आंदोलन और तेज होता है।

हिंदी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, जिला स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता आज

समय जगत, हरदा। मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता का आयोजन आज किसान भवन, हरदा में किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 11 बजे होगा, जिसमें जिलेभर के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। कार्यक्रम की संयोजक सुश्री अंजू भायरे ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना है। सह-संयोजक सुश्री स्वाति गुरु ने बताया कि प्रतियोगिता में हरदा, टिमरनी एवं खिरकिया क्षेत्र के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में मौलिक चिंतन, संवाद कौशल एवं सकारात्मक अभिव्यक्ति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता के उपरांत शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रकाश जांगरे, अध्यक्ष जिला इकाई करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि हिंदी सेवी पत्रकार अजय जैन (विदिशा) होंगे।

नर्मदापुरम में विशेष अभियंता सम्मान समारोह किया गया आयोजित

समय जगत, नर्मदापुरम। समय जगत समूह द्वारा हर वर्ष इंजीनियर्स डे (अभियंता दिवस) के अवसर पर तकनीकी क्षेत्र से जुड़े दिग्गजों का विशेष सम्मान किया जाता है। इसी परंपरा के तहत नर्मदापुरम में एक गरिमामयी समारोह आयोजित कर क्षेत्र के विकास में अहम योगदान देने वाले प्रबुद्ध इंजीनियरों को सम्मानित किया गया। इस विशेष आयोजन के दौरान सभी सम्मानित इंजीनियरों को दैनिक समय जगत समाचार पत्र का विशेष स्मृति संस्करण भेंट किया गया, जो देश के महान अभियंता और भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की स्मृति को समर्पित है। इस अंक के मुख्य पृष्ठ पर अंकित संदेश 'गर्व से कहें हम भारत रत्न अभियंता हैं, देश के विकास नियंता हैं' ने उपस्थित सभी जनों में एक नई ऊर्जा का संचार किया। समारोह के दौरान नर्मदापुरम के प्रतिष्ठित इंजीनियरों इंजी. सत्य चौहान, इंजी. मुकेश कुशवाह, इंजी. संजय रायकवार, इंजी. राजेश पाल, इंजी. नरेंद्र गोयल इंजी. राजीव पाठक तथा अन्य विशिष्ट

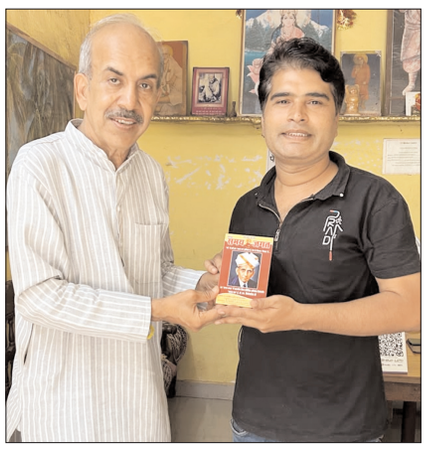

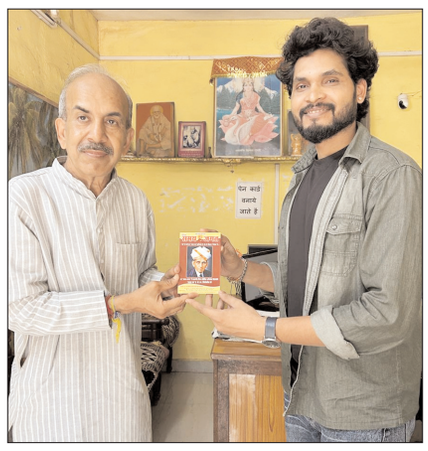

अभियंतागण को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि समय जगत परिवार हमेशा से तकनीकी और सामाजिक विकास में इंजीनियरों के अमूल्य योगदान को प्रोत्साहित करता रहा है। राष्ट्र निर्माण और आधारभूत संरचना को मजबूत करने में इंजीनियरों की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान है। इस प्रकार के आयोजनों से युवा पीढ़ी को देश के महान इंजीनियरों के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा मिलती है। समारोह के अंत में सभी ने सम्मानित इंजीनियरों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मंडी बोर्ड की जांच में खुलेगा टंकियों का राज

खिरकिया मंडी की दो टंकियों का मामला भोपाल तक पहुंचा, उठ रहे हैं गंभीर सवाल

खिरकिया। कृषि उपज मंडी खिरकिया में कुछ समय पहले लाई गई पानी की दो टंकियों के बाद में मंडी परिसर से बाहर चले जाने का मामला अब भोपाल स्तर तक पहुंचने की जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार जल्द ही मंडी बोर्ड स्तर से एक जांच समिति खिरकिया कृषि उपज मंडी पहुंच सकती है। समिति द्वारा दोनों टंकियों के मंडी में आने से लेकर उनके बाहर जाने तक की पूरी जानकारी जुटाए जाने की बात कही जा रही है। जांच में यह देखा जा सकता है कि दोनों टंकियां मंडी में कब और कहां से लाई गईं, किसके माध्यम से लाई गईं, मंडी परिसर में उन्हें किस स्थान पर रखा गया और बाद में उन्हें किसके द्वारा तथा किस रास्ते से बाहर ले जाया गया। इसके साथ ही टंकियों से जुड़े दस्तावेज और संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की संभावना है।

टंकियां बाहर, ढक्कन मंडी में — मामला बना चर्चा का विषय: मामले में सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि दोनों टंकियां मंडी परिसर से बाहर चली गईं, तो उनके ढक्कन अभी भी मंडी परिसर में क्यों रखे हुए हैं। टंकियों के ढक्कन मंडी में रखे होने की बात भी सामने आई है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण बिंदु माना जा रहा है। जांच के दौरान यह स्पष्ट किया जाना जरूरी होगा कि टंकियां और उनके ढक्कन अलग-अलग स्थानों पर क्यों और कैसे पहुंचे।

कर्मचारियों की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल: सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी के कर्मचरियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि कर्मचारियों की मिलीभगत से टंकियां मंडी में लाई गई थीं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। बताया जा रहा है कि जब टंकियां मंडी परिसर में लाई गई थीं, उस समय कुछ कर्मचारी भी मौजूद थे और टंकियों को व्यवस्थित तरीके से रखवाने में उनकी मौजूदगी बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार टंकियां एक बड़े वाहन से लाई गई थीं, जिसमें अन्य टंकियां भी रखी हुई थीं।

किसानों की टंकियां बताने की तैयारी?: मामले में यह भी चर्चा है कि अब इन दोनों टंकियों को किसानों की बताने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में जांच का मुख्य बिंदु यह रहेगा कि टंकियां वास्तव में किसकी थीं और उन्हें मंडी में किस उद्देश्य से लाया गया था। यदि टंकियां मंडी के कर्मचारियों के माध्यम से लाई गई थीं तो उनके संबंध में मंडी रिकॉर्ड में क्या उल्लेख किया गया है, यह भी जांच का विषय रहेगा। सूत्रों के अनुसार दोनों टंकियों को मंडी के पीछे वाले गेट से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें एक व्यक्ति के यहां रखवाए जाने और वहां से आगे किसी दूसरे स्थान पर शिफ्ट किए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है। इन सभी दावों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

सीसीटीवी फुटेज से सामने आ सकती है पूरी सच्चाई: मंडी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग इस मामले की जांच में अहम साबित हो सकती है। फुटेज के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि दोनों टंकियां किस वाहन से मंडी के मुख्य गेट से अंदर आई, उन्हें ट्रॉली सेट में किस स्थान पर रखा गया और उस दौरान कौन-कौन लोग मौके पर मौजूद थे। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण यह भी देखा जा सकता है कि टंकियां मंडी परिसर से कब बाहर निकलीं, किस गेट का इस्तेमाल हुआ, उन्हें किस वाहन से ले जाया गया और उस समय कौन-कौन लोग वहां मौजूद थे। किसानों की मांग है कि संबंधित अवधि की पूरी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सुरक्षित कराकर जांच में शामिल की जाए, ताकि टंकियों के मंडी में आने से लेकर बाहर जाने तक की पूरी गतिविधि स्पष्ट हो सके।

विश्वेश्वरैया जी की तस्वीर भेंट

अरुण चौधरी (एई) सहायक यंत्री जनपद पंचायत जीरापुर।

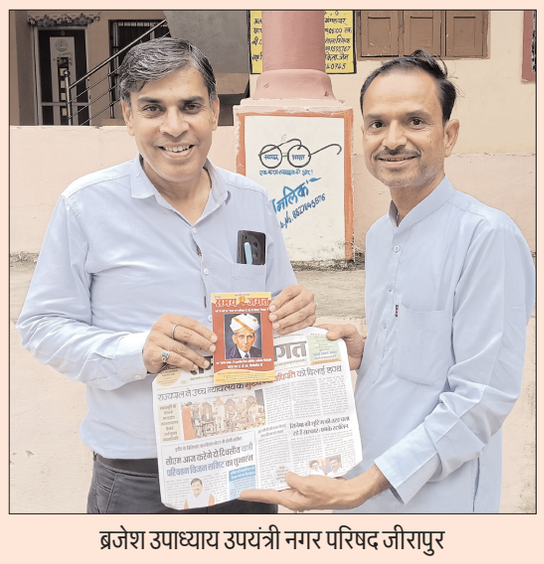

ब्रजेश उपाध्याय उपयंत्री नगर परिषद जीरापुर

निजी स्कूलों की मनमानी पर उठाए सवाल

जैन समाज ने सीएम डॉ.मोहन यादव और कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को भेजा पत्र

समय जगत, हरदा। जैन धर्म के दशलक्षण (पर्युषण) पर्व और हिन्दू धर्म के गणेशोत्सव के दौरान स्कूलों में परीक्षाएं नहीं कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। श्री दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन और सहसचिव संजय पाटनी ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को पत्र भेजकर 15 से 25 सितंबर के बीच शासकीय, अर्धशासकीय, निजी और कान्वेंट स्कूलों में किसी भी प्रकार की परीक्षा नहीं रखने की मांग की है। समाज पदाधिकारियों ने पत्र में कहा कि परीक्षाओं और पढ़ाई के दबाव के कारण नई पीढ़ी धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक संस्कारों से दूर होती जा रही है। ऐसे में दशलक्षण पर्व और गणेशोत्सव जैसे अवसर बच्चों को अपनी संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यदि इन्हीं दिनों स्कूलों में परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं तो विद्यार्थी पर्व की धार्मिक गतिविधियों में पूरी तरह शामिल नहीं हो पाएंगे। पत्र में निजी और कान्वेंट स्कूलों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। समाज का कहना है कि स्कूल प्रबंधन परीक्षा का टाइमटेबल तय करते समय धार्मिक पर्वों और विद्यार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतों को भी ध्यान में रखें।

केवल अकादमिक कैलेंडर पूरा करने की जल्दबाजी में बच्चों को धार्मिक आयोजनों से दूर करना उचित नहीं है। समाज पदाधिकारियों ने यह भी तर्क दिया कि पर्व के दौरान कई स्थानों पर धार्मिक आयोजन, जुलूस, पंडाल, माइकों और अन्य कार्यक्रमों के कारण वातावरण में शोर रहता है। ऐसे में परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को भी परेशानी होती है।

इसलिए परीक्षाओं की तारीख पर्व से पहले या उसके बाद निर्धारित की जाए। जैन समाज ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 2026 में ही नहीं, बल्कि आगामी वर्षों के लिए भी स्थायी निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तक के 11 दिनों में स्कूल परीक्षाओं का आयोजन न करें। समाज ने राज्य शासन के स्कूली शिक्षा विभाग से सीबीएसई, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मंडल सहित सभी बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों एवं प्रबंधन, जिला शिक्षा अधिकारियों और जिलों के कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। समाज पदाधिकारियों का कहना है कि बच्चों का भविष्य केवल परीक्षा और अंकों से नहीं बनता, बल्कि संस्कार, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना भी उनके व्यक्तित्व निर्माण का अहम हिस्सा हैं। इसलिए स्कूलों के वार्षिक एजुकेशन कैलेंडर और परीक्षा शेड्यूल बनाते समय प्रमुख धार्मिक पर्वों को ध्यान में रखना चाहिए। पत्र के अंत में समाज ने मुख्यमंत्री और प्रशासन से इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि इससे जैन एवं हिन्दू समाज की भावनाओं का सम्मान होगा और बच्चों को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

'हमारे गौरव- हमारे इंजीनियर' अभियान के तहत एनएस भंवर का किया सम्मान

समय जगत, इंदौर। समय जगत समूह द्वारा 15 सितंबर इंजीनियर्स डे के उपलक्ष्य में 'हमारे गौरव - हमारे इंजीनियर' सम्मान सीरीज चलाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, इंदौर मंडल के अधीक्षण यंत्री एन. एस. भंवर को समय जगत के ब्यूरो प्रमुख प्रदीप जोशी क्षरा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की तस्वीर भेंट की गई तथा श्री भंवर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एन. एस. भंवर ने कहा कि सर विश्वेश्वरैया के सिद्धांत और कार्य आज भी इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार को लेकर आयोजित की गई जागरुकता रैली

समय जगत, मैहर। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतना श्रीमती गीता सोलंकी के मार्गदर्शन में 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से तहसील न्यायालय मैहर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति मैहर श्री प्रहलाद सिंह कैमेथिया, न्यायिक अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली के माध्यम से आम नागरिकों को नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण कराने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुभाष सुनहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मैहर सुश्री भानु पंडवार, श्री उदयजीत कुंवर राव एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री पंकज कुमार श्रीवास्तव सहित न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिविल न्यायालय मैहर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अनिल शुक्ला सहित अधिवक्तागण, न्यायालय कर्मचारी श्री मनमोहन पाण्डेय, श्री शाहिर रिजवानी, श्री सूर्यमणि द्विवेदी, श्री नरेंद्र कुशवाहा एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं म.प्र. विद्युत मंडल मैहर के जिला अभियंता अधिकारी श्री ओमेंद्र सिंह एवं अन्य कर्मचारी भी रैली में शामिल हुए।

श्रीमती मुखर्जी द्वारा छात्रों से उर्वरक और बायोलॉजिकल सेल पर किया गया संवाद

कलेक्टर बनीं शिक्षक, विद्यालय पहुंचकर छात्रों को पढ़ाया

समय जगत, मैहर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरसरी, शासकीय उचित मूल्य की दुकान गुरसरी एवं आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी जब शासकीय विद्यालय में निरीक्षण पर पहुंची तो उन्होंने कक्षा 10 वीं की शिक्षक बन कर विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया और विद्यार्थियों को उर्वरक ,संविधान और बायोलॉजिकल सेल से संबंधित जानकारी देकर छात्रों से सवाल भी पूछे। विद्यार्थियों ने उत्साह से कलेक्टर से संवाद किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें भविष्य में कलेक्टर, डॉक्टर ,इंजीनियर, पुलिस और खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर प्राचार्य श्री सिंह और राजनीति शास्त्र के

शिक्षक श्री तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरसरी में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर प्राचार्य श्री ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और राजनीति शास्त्र के शिक्षक श्री राम प्रकाश तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी भी दी। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, स्टॉक एवं पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराए जा रहे राशन की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने दुकान पर सप्लाई किए जा रहे गेहूं और चावल के नमूने देखे और हितग्राहियों से चर्चा कर यथास्थिति ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालक ने जानकारी दी कि वहां पर 516 लाभार्थी दर्ज है, उनमें से 400 लाभार्थियों को आज दिनांक तक राशन प्रदान किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की भावना के अनुरूप आमजन को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com